राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार,05 जुन2020 वर्ष–2, अंक –93 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशों से भारत आए लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने की तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे भारत मिशन के तहत विदेशों से भारत आए लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने की योजना बन चुकी है। योजना को लागू करने की जिम्मेदारी केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमित मंत्रालय को मिली है। मंत्रालय के स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की साझेदारी से योजना को लागू किया जाएगा। वंदे भ.ारत मिशन के तहत देश लौटने वाले नागरिकों की स्किल मैपिंग एक्सरसाइज़ का संचालन करने के लिए एक नई पहल स्वदेश योजना की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से, स्किल इंडिया और अन्य मंत्रालयों का लक्ष्य कौशल और अनुभव के आधार पर योग्य नागरिकों का एक डेटाबेस तैयार

करना है,इस भारतीय और विदेशी कंपनियों की मांग को पूरा करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

स्किल इंडिया एकत्रित

जानकारी को देश में उपयुक्त प्लेसमेंट अवसरों के लिए कंपनियों के साथ साझा करेगा। लौटने वाले नागरिकों को एक स्वदेश स्किल फॉर्म भरने की आवश्यकता है और इसके बाद स्वदेश स्किल कार्ड जारी किए जाएंगे। कौशल मंत्रालय के अधिकारी का कहना है कि राज्य सरकारों, उद्योग संघों और नियोक्ताओं सहित प्रमुख हितधारकों के साथ चर्चा के माध्यम से उपयुक्त रोजगार के अवसर प्रदान किए जाने वाले नागरिकों के लिए ये कार्ड एक स्ट्रेटीजिक फ्रेमवर्क की सुविधा प्रदान करेगा। अभी तक प्राप्त आंकड़ों के आध ाार पर संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कुवैत, कतर और सऊदी अरब वे शीर्ष देश हैं, जहाँ से सबसे ज्यादा भारतीय नागरिक वापस आए हैं। स्किल मैपिंग के अनुसार, यह नागरिक वहां मुख्य रूप से तेल और गैस, विमानन, निर्माण, पर्यटन और आतिथ्य, आईटी और आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में कार्यरत थे। इन आंकड़ो से यह भी पता चला है कि केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में सबसे ज्यादा श्रमिक विदेशों से वापस लौटे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में आरबीआई का हलफनामा, 6 महीने के दौरान ब्याज माफी को बताया गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोनाकाल में जारी लॉकड.ाउन के दौरान कर्ज की किस्त के भुगतान में ब्याज पर छूट की मांग के मामले में अगली सुनवाई 12 जून को होगी। आज सुप्रीम कोर्ट ने एक हफ्ते में वित्त मंत्रालय और अन्य पक्षकार आरबीआई के हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट में आरबीआई ने हलफनामा दायर कर 6 महीने की मोराटोरियम अवधि के दौरान ब्याज माफी की मांग को गलत बताया है। आरबीआई ने कहा कि

लोगों को 6 महीने का ईएमआई अभी न देकर बाद में देने की छूट दी गई है, लेकिन इस अवधि का ब्याज भी नहीं लिया गया तो बैंकों को 2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। सुप्रीम कोर्ट में आरबीआई ने एफिडेविट दाखिल कर कहा है कि 6 महीने के लिए ईएमआई देने में जो छूट दी गई है, उस अवधि का ब्याज नहीं लेने से बैंक का 2 लाख करोड़ का नुकसान होगा।

ईएमआई अभी न देकर बाद में देने की छूट दी गई है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर मोराटोरियम अवधि में ब्याज में छूट की मांग की गई है। इस याचिका पर आरबीआई से जवाब देने को कहा गया था। शुक्रवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी।

गूगल को देने पड़ सकते हैं 5 अरब डॉलर

नई दिल्ली(एजेंसी)। गूगल अपने यूजर्स पर नजर रख रहा है। यूजर्स की ऑनलाइन ऐक्टिविटी को ट्रैक करने के कारण गूगल के खिलाफ कैलिफॉर्निया में एक केस दर्ज हुआ है। गूगल पर लगाए गए ये आरोप अगर सही साबित होते हैं, तो उसे जुर्माने के तौर पर 5 अरब डॉलर देने पड़ सकते हैं। दुनियाभर में गूगल को एक इंटरनेट सर्च इंजन के तौर पर जाना जाता है। हालांकि, कंपनी की कमाई का

जरिए ऐडवर्टाइजिंग बिजनेस है। गूगल इंटरनेट की टॉप ऐड कंपनियों में से एक है और यह यूजर्स की पसंद के ऐड दिखाने के लिए बहुत सारे डेटा का सहारा लेती है। गूगल के खिलाफ की गई शिकायत में कहा गया है कि यह गूगल ऐनालिटिक्स, गूगल ऐडसेंस और दूसरे प्लग–इन्स के जरिए डेटा कलेक्ट करता है। इसमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि यूजर ने किसी गूगल–पावर्ड ऐड पर क्लिक किया है या नहीं। इसकी मदद से कंपनियों को यूजर्स के ऐड प्रोफाइल बनाती हैं ताकि उन्हें उनकी पसंद और जरूर के ऐड दिखाए जा सकें।

बॉलिवुड केमशहूर गीतकार अनवर सागर का निधन

मुंबई(एजेंसी)। बॉलिवुड के मशहूर गीतकार अनवर सागर का 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में बुधवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। फिलहाल उनके निधन की वजह का पता नहीं चल सका है। बता दें, 80 और 90 के दशक में सागर के लिखे कई गाने खूब पॉप्युलर हुए जो आज तक याद किए जाते हैं। इनमें अक्षय कुमार और आयशा जुल्का स्टारर फिल्म खिलाड़ी का

गाना वादा रहा सनम, होंगे जुदा ना हम भी शामिल है। इसके अलावा सागर ने याराना, सलामी, आ गले लग जा और विजयपथ जैसी कई फिल्मों में गाने लिखे। उन्होंने नदीम–श्रवण, राजेश रोशन, जतिन–ललित और अनु मलिक जैसे मशहूर म्यूजिक कंपोजर्स के साथ काम किया।

केरल में हथिनी की हत्या पर केंद्र सख्त

जावडेकर बोले– दोषियों को पकडने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

नई दिल्ली(एजेंस)। केंद्र सरकार ने केरल में एक गर्भवती हथिनी की हत्या को गंभीरता से लिया है। केंद्रीय वन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि यह भारतीय संस्कृति नहीं है कि जानवरों को पटाखा खिलाया जाए और उनकी हत्या की जाए। उन्होंने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। जावडेकर ने कहा, केंद्र सरकार ने केरल में हथिनी की हत्या को बहुत ही गंभीरता से लिया है। हम मामले की गहराई से जांच और दोषियों को पकडने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह भारतीय संस्कृति नहीं है कि पटाखों को खिलाया जाए और जान ली जाए। यह मामला केरल के मलप्पुरम जिले का है। 27 मई को एक गर्भवती भूखी हथिनी भोजन की तलाश में जंगल के बाहर आ गई थी। वह गांव में भटक गई। कुछ स्थानीय लोगों ने उसके साथ शरारत की और उसे अनानास में पटाखे भरकर खिला दिया। भूख से बेहाल हथिनी ने वह अनानास खा लिया और कुछ ही देर में उसके पेट के अंदर पटाखे फटने लगे। इससे उसके मुंह और जीभ में जख्म हो गया। बाद में उसने दम तोड़ दिया। इस अमानवीय घटना पर सोशल मीडिया पर लोग जबरदस्त हथिनी की मौत को लेकर पूरे देश में इस घटना की निंदा हो रही है। इस अमानवीय घटना में शरारती तत्वों ने अनानास में पटाखे रखकर हथिनी को खिला दिए, जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गई थी। घायल हथिनी इतने दर्द में थी कि हो गई। हथिनी के साथ इस अमानवीय घटना करने वालों पर इनाम रखा गया है। वाइल्ड लाइफ एसओएस एनजीओ ने अपराधियों की सूचना देने वाले को एक लाख रुपये देने का एलान किया है। वहीं दूसरी ओर ह्यूमेन सोसायटी

आक्रोश जाहिर कर रहे हैं।

1.50 लाख का इनाम घोषित

केरल के मलप्पुरम में गर्भवती तीन दिनों तक वह कुछ खा–पी नहीं पाई और लगातार पानी में खड़ी रही। आखिर उसकी मौत इंटरनेशनल/इंडिया ने 50 हजार रुपए इनाम का ऐलान किया है।

चंद्रग्रहण 5 तथा सूर्यग्रहण 21 जून को इससे पहले 1 जनवरी को लगा था चंद्रग्रहण

नई दिल्ली(ईएमएस)। जून के माह में सूर्य और चंद्रग्रहण दोनों ही लगने वाले हैं। चंद्रग्रहण जहां 5 जून को लगेगा तो वहीं 21 जून को सूर्य ग्रहण लगेगा। पौराणिक मान्यताओं और महत्व हैं। इसके अलावा इन दोनों का ही वैज्ञानिक महत्व भी है।

चंद्रग्रहण उस समय लगता है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक ही सीध में होते हैं। तथा पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच में आ जाती है। ऐसे में सूर्य की किरणें चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाती हैं। इस वर्ष चार चंद्रग्रहण लगने हैं। इनमें से पहला एक जनवरी को लग चुका है। दूसरा 5 जून, तीसरा जुलाई और चौथा नवंबर में लगेगा।

3 घंटे 18 मिनट का होगा चंद्रग्रहणः

5 जून को होने वाला चंद्रग्रहण उपछाया होगा। इसका अर्थ है कि चांद, पृथ्वी की हल्की छाया से होकर गुजरेगा। यह 3 घंटे 18 मिनट का होगा। 5 जून को इसकी शुरुआत रात 11.15 होगी और 6 जून को सुबह 12.54 बजे तक ये अपने अधिकतम चरण में होगा। 6 जून की सुबह 2.34 पर ये खत्म हो जाएगा। यह पूरे भारर के साथ ही एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका में दिखाई देगा। ग्रहण

के दौरान चंद्रमा की छवि कुछ धुंधली हो जाएगी और ये कुछ मटमैला सा दिखाई देगा। इससे पहले 10 जनवरी को ऐसा ही चंद्रग्रहण लगा था।

यह है हिंदू धर्म की मान्यताः

हिंदू धर्म के अनुसार चंद्रग्रहण के पीछे राहु व केतु का प्रभाव होता है। समुद्र मंथन से मिले अमृत का देवताओं को सेवन करवाने के लिए सुंदर कन्या का रूप में भगवान विष्णु सभी में अमृत बांटने लगे। इसी दौरान एक असुर देवताओं के बीच बैठ गया। उसने जैसे ही अमृत हासिल किया तो भगवान सूर्य व चंद्रमा को इसका पता चल गया। उन्होंने इसकी जानकारी भगवान विष्णु को दी तब उन्होंने सुदर्शन चक्र से असुर की गर्दन धड़ से अलग कर दी। अमृत पीने के कारण वह मरा नहीं तथा उसका सिर व धड़ अलग होकर राहु तथा केतु नाम से विख्यात हो गए। इस घटना के कारण राहु व केतु सूर्य और चंद्रमा को ग्रहण के रूप में लगते हैं।

न सूतक लगेगा न पूजा पाठ की मनाहीः

उपछाया चंद्रग्रहण में न तो सूतक माना जाता है और न ही पूजा–पाठ की कोई मनाही है। इसके अलावा इस दौरान जागने की भी पांबदी नहीं है। इसे न देखने जैसा भी नियम नहीं है। इस दौरान आप भोजन भी कर सकते हैं और सामान्य रूप से दिनचर्या रख सकते हैं। ग्रहण के लिए दान करने का नियम भी इस पर लागू नहीं होता है।

भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को भारत लाने की खबरों पर लगा विराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बैंकों को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर विदेश भागने वाले कारोबारी विजय माल्या को भारत लाने की चर्चा जोरों पर है पर इन तमाम अटकलों के बीच किंगफिशर के मालिक माल्या ने खुद इन बातों पर विराम लगा दिया है। माल्या ने ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स पर कहा कि उन्हें (मीडिया) खुद पता होगा कि वे क्या बोल रहे हैं। इससे पहले बुधवार शाम तक खबरें थीं कि माल्या को लेकर अधिकारी कभी भी भारत पहुंच सकते हैं। कहा जा रहा था कि उन्हें मुंबई की ऑर्थर जेल में रखा जाएगा। कहा जा रहा था कि सीबीआई और ईडी के लोग रात–रात में ही उन्हें लेकर आ सकते हैं।

लेकिन जब बुधवार को माल्या के पर्सनल असिसटेंट से बात की तो उन्होंने इसे नकार दिया। उन्हा.ेंने कहा ऐसी कोई जानकारी उनके पास नहीं है कि माल्या को बुधवार रात को भारत लेकर जाया जा रहा है। इसके बाद लंदन स्थित भारतीय हाई कमीशन के सीनियर अधिकारी ने भी इस बात की पुष्टी की है कि माल्या अभी भारत नहीं लाए जा रहे। उन्होंने कहा, 'मीडिया ने कहीं से सीबीआई का पुराना बयान उठा लिया था। स्थिति अभी पहले जैसी है, अभी

विदेशी नागरिकों के लिए वीजा के नियमों में छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कुछ खास पेशों से जुड़े विदेशी नागरिकों के लिए वीजा के नियमों में छूट दी है। यह छूट इंजीनियर, विदेशी कारोबारी और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को प्रदान की है। गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस शर्त पर देश में प्रवेश करने की अनुमति दी गई है कि वे अपने वीजा को फिर से वैध करवा लें और नॉन शेड्यूल कॉमर्शियल या चार्टर्ड उड़ानों में भारत आएं।

केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण को कम करने के लिए मार्च में सभी प्रकार की अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स पर रोक लगा दी थी। भारत ने 11 मार्च को विदेशियों को दिए वीजा पर रोक लगा दी थी।

री–वैलिटेड कराना होगा वीजा

सरकार ने कहा कि विदेशी कारोबारी अपने बिजनेस वीजा को री–वैलिडेट करवाकर या फिर नए वीजा से भारत आ सकते हैं। स्वास्थ्य सेवा पेशेवर किसी मान्यता प्राप्त और पंजीकृत हेल्थकेयर फैसिलिटी के न्योते पर ही आ सकते हैं। इसके अलावा विदेश में बनी मशीनों को इंस्टॉल करने, ठीक करने और उनकी मेंटेनेंस के लिए तकनीक विशेषज्ञ और इंजीनियर भी भारत आ सकते हैं. इस खास समूहों के विदेशी नागरिकों को जरूरत के आधार पर विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों या पोस्ट में फिर से बि.जनेस वीजा, एम्पलॉयमेंट वीजा के लिए आवेदन करना होगा।

वंदे भारत मिशन किया था शुरू

सरकार ने विदेशों मे फंसे भारतीयों को हवाई एवं समुद्री मार्ग से वापस लाने के लिए 'वंदे भारत मिशन नाम से सात मई को एक विशेष अभियान आरंभ किया था। इसके बाद परिवार में किसी आपात स्थिति के कारण भारत आने की इच्छा रखने वाले प्रवासी भारतीय नागरिक कार्ड धारकों को भी देश आने की अनुमति दी गई थी। लॉकडाउन लागू होने के बाद पहली बार ऐसा हुआ है,

जब विदेशी नागरिकों को भारत आने की अनुमति दी गई है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आपदाओं का समय

ऐसा लगता है, दुनिया आपदाओं का अपना घर बन गई है। भारत के पूर्वी छोर पर पिछले सप्ताह अम्फान ने हमला बोला था और अब पश्चिमी तट पर निसर्ग ने वार किया है। यह विज्ञान की उपलब्धि है कि ऐसे तूफानों के आगमन की पूर्व सूचना मिल जाती है, जिसकी वजह से संकट ज्यादा कहर नहीं बरपा पाता। भारत की व्यावसायिक राजधानी मुंबई में 1961 के बाद यह सबसे बड़ा तूफान आया, तो वहां के लोगों की चिंताओं को समझा जा सकता है। यह चिंता तब और बढ़ जाती है, जब हम कोरोना पीड़ित पृष्ठभूमि में तूफान को देखते हैं। जब अस्पताल भरे हुए हैं, जब मुंबई कोरोना संक्रमण के मामले में आगे है, तब वहां तेज तूफान या चक्रवात कितनी तबाही ला सकता था, इसकी कल्पना से ही मन सिहर जाता है। भला हो, वैज्ञानिकों और मौसम विभाग के अधिकारियों का, जिन्होंने समय रहते केरल से लेकर गुजरात तक सभी को आगाह कर दिया। एनडीआरएफ की टीमों के अलावा, नौसेना के पोत और अन्य सरकारी महकमे भी सजग हो गए। आपदा के बीच एक और अच्छी बात यह रही कि इस चक्रवात ने अपने केंद्र की दिशा थोड़ी बदली और मुंबई से करीब 95 किलोमीटर दूर तट से टकराया। आने वाले दिनों में इस आपदा से हुए नुकसान के आंकड़े स्पष्ट होंगे, लेकिन इतना तय है कि ऐसी आपदाओं ने लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है। आज यह सवाल सबके दिमाग में है कि ऐसा क्यों हो रहा है और समग्रता में पृथ्वी और उसके अनुकूल जीवन के प्रति लोगों का लगाव बढ़ना ही चाहिए। मंगलवार को असम में भारी बारिश और भूस्खलन में कई लोग मारे गए हैं, केरल में मानसून की बारिश और उससे जनजीवन पर असर दिखने लगा है। धीरे-धीरे मानसून आगे बढ़ेगा और कहीं कम या कहीं ज्यादा बारिश से भी लोग परेशान होंगे। जुलाई की शुरुआत तक मौसमी बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ जाएगा, ऐसे में, कोरोना की त्रासदी कितनी भयावह होगी, यह हमें अभी से सोचकर तैयार रहना चाहिए। यह कठिन समय हमारे संयम और ज्ञान की पूरी परीक्षा ले रहा है। अनुभवों से हमने यही सीखा है कि आपदाओं का सिलसिला जब चले, तब समाज को एकजुट हो जाना चाहिए। व्यक्तिगत घृणा, स्वार्थ, पक्षपात किनारे रखकर सार्वजनिक हित के बारे में चिंता करनी चाहिए। ध्यान रहे, ऐसे समय में जितनी अधिक राजनीति या स्वार्थ सेवा होगी, हम खुद को उतनी ही ज्यादा परेशानियों से घिरा पाएंगे। आने वाले दिनों में बारिश और मौसम संबंधी अन्य भविष्यवाणियों को ज्यादा पुख्ता व उपयोगी बनाने की जरूरत है। निसर्ग की ही बात करें, तो अनुमान था कि तूफान 120 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा की रफ्तार नहीं पकड़ेगा, पर इसमें कहीं-कहीं 140 किलोमीटर की भी गति देखी गई है। अनुमान से ज्यादा पेड़ गिरे हों, छतें उजड़ी हों, तो आश्चर्य नहीं। आपदाओं के समय में भविष्यवाणी व सटीक आकलन की जरूरत बहुत बढ़ गई है, तभी जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सकेगा। गौर करने की बात है, जब भारत का पश्चिमी छोर तूफान झेल रहा था, तब पूर्वी छोर ने भूकंप के झटके महसूस किए। दिल्ली के आसपास भी कोरोना के समय में भूकंप के तीन से ज्यादा झटके महसूस किए गए हैं। ऐसे में, मौसम विभाग, आपदा प्रबंधन टीमों और हमें सचेत रहना चाहिए, तभी हम आपदाओं का मजबूती से मुकाबला कर पाएंगे।

आज के ट्वीट

निर्णय

केंद्र सरकार ने लिए है।

-- योगी आदित्यनाथ

बदले हालात में नयी सोच बदलेगी तस्वीर

हरभजन सिंह

पुनः अपने पैरों पर खड़ा होने में लंबा अरसा लगने वाला है। एक तरफ उत्पादन के लिए मजदूरों की कमी, दूसरी तरफ ग्राहक नदारद। मजदूर यदि आ भी जाएं तो नयी उत्पादन व्यवस्था को अपनाने के लिए इंतजार करना होगा। दरअसल, जो उत्पादन एवं सेवाएं ग्राहकों की जरूरतें थीं, उनके मायने एवं आवश्यकताएं बदल चुकी हैं। जहां जीवन की मौलिक जरूरतों पर होने वाले खर्च कम एवं दिखावे पर होने वाले खर्च ज्यादा होते थे, वह चक्र अब उलटा घूमेगा। समाज एवं प्रत्येक व्यक्ति की अपनी जरूरतों के लिए सरकार की ओर ताकना एक मजबूरी और आदत-सी बन गयी है। अनुभव के आधार पर यह भी स्पष्ट है कि सरकारी मदद कागजों पर ज्यादा दिखती है परंतु धरातल पर कम होती है। उद्योगों को समाज की नयी जरूरतों की पूर्ति के लिए अपने आपको नये उत्पादों एवं नयी जरूरतों की संतुष्टि के लिए लैस या पुनः संरक्षित होना पड़ेगा एवं गंभीर समस्याओं को नये मौकों में तब्दील करना होगा। सरकार कुछ नया सोचेगी या करेगी, इस स्वप्न में डूबे उद्योग जल्दी ही सच्चाई के धरातल से टकराकर ध्वस्त हो जाएंगे। बचेंगे वही जो खुद नया सोचेंगे और नया करेंगे या नया करने की हिम्मत दिखाएंगे। धैर्य, हौसले, उत्साह और जोखिम उठाने की क्षमता का सहारा लेकर ही उद्योग वर्तमान चुनौतियों से उबर पाएंगे एवं समाज की नयी औद्योगिक संरचना में अपनी सार्थक भूमिका निभा पाएंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था का राजस्व प्रति वर्ष करीब 30 हजार करोड़ का है, जिसका 82 प्रतिशत हिस्सा जीएसटी, कॉरपोरेट टैक्स एवं पर्सनल टैक्स से आता है। तीनों प्रकार के टैक्स अदाकर्ता आपस में एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उत्पादन कम हो रहा है तो जीएसटी घटेगा। जीएसटी घटेगा तो इससे मिलने वाला राजस्व घटेगा। मांग में धीमापन होने की वजह से उद्योगों का मुनाफा घटेगा, जिससे कॉरपोरेट टैक्स में कमी आएगी एवं लोगों की व्यक्तिगत आय पहले की तुलना में कम हो जाएगी। अतः राजस्व द्वारा मिलने वाली वास्तविक रकम एवं अर्थव्यवस्था कम से कम 10 प्रतिशत सिकुड़कर कम हो सकती है। जो क्षेत्र मुख्य रूप से महामारी की चपेट में धराशायी होने वाले या भारी नुकसान उठाने वाले हैं उनमें उड्डयन, ऑटो, रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी एवं मनोरंजन उद्योग शामिल हैं। हालात पर गौर करें तो लग्ज़री उत्पाद पर होने वाले खर्चों में लोगों को भारी कटौती करनी है एवं इससे बाजार में मांग को धक्का पहुंचने वाला है। वर्तमान में लगभग 50 करोड़ लोगों की जीविका नौकरियों पर आधारित है, जिनमें से 10 प्रतिशत ही संगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं शेष असंगठित सेक्टर से जुड़े हैं। इसे इस प्रकार भी देखा जा सकता है कि विमानन एवं पर्यटन में करीब 80 लाख, ऑटोमोबाइल सेक्टर में 1 करोड़ 40 लाख, निर्माण में 5 करोड़ 40 लाख, एग्रीकल्चर में 20 करोड़ लोग काम करते हैं। यदि इनसे मिलने वाले जीडीपी पर नजर डाली जाए तो कृषि से कुल राजस्व का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। इसी तरह सेवा क्षेत्र से 50 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। जब देश आज़ाद हुआ था तब राजस्व में खेती का योगदान 70 प्रतिशत और सेवाओं का सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा होता था। सेवाओं में भारी विस्तार हुआ और यह क्षेत्र करीब 50 प्रतिशत तक विस्तृत हो गया। जबकि खेती असामान्य रूप से कम हो गई। उत्पादन का योगदान करीब 25 प्रतिशत है जबकि शेष अन्य क्षेत्रों से जुड़ा है। खास बात यह है कि प्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इन क्षेत्रों की हिस्सेदारी सिर्फ 2 प्रतिशत है। अब यदि रियल एस्टेट में 50 प्रतिशत की गिरावट आती है तो ढाई करोड़ लोग बेरोजगार हो जाएंगे, जिससे इस क्षेत्र की हिस्सेदारी भी प्रभावित होगी। इन सारे हालात में जो क्षेत्र सबसे कम प्रभावित होंगे उनमें टेलीकॉम, फार्मास्यूटिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि एवं रासायनिक क्षेत्र से जुड़े उद्योग होंगे। दूसरा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यदि हम देखें तो पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था का राजस्व 90 ट्रिलियन यूएस डॉलर है। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी 24.4 प्रतिशत है। जबकि चाइना 15.4 प्रतिशत के साथ दूसरे, जापान (6.3) तीसरे व जर्मनी (4.63) चौथे व भारत (3.27) पांचवें क्रम पर है। भारतीयों की क्रय शक्ति क्षमता (परचेजिंग पॉवर पैरिटी) दूसरे देशों की तुलना में कम है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अब लोग राष्ट्र वैश्वीकरण की प्रक्रिया से वापस मुड़कर घरेलू उत्पादन की ओर रुख करेंगे। इसकी पहल केंद्र सरकार ने दो सौ करोड़ रुपये तक की लागत वाले टेंडर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नहीं उतारने का निर्णय लेकर कर दी है। इसके चलते बैलेंस ऑफ ट्रेड प्रभावित होगा। व्यापार के वर्तमान संतुलन में कई नये आयाम सामने आएंगे। जो राज्य या राष्ट्र आर्थिक विषमताओं से जूझने लगेंगे उनके यहां घरेलू सामाजिक संतुलन गड़बड़ाने लगेगा और राष्ट्रों के बीच तनाव बढ़ने का कारण बन सकता है। नये राजनीतिक ध्रुवीकरण होंगे। यह विचार करने की जरूरत है कि संकट की इस घड़ी में क्या कदम उठाए जाएं कि जीवन व्यवस्था पुनः पटरी पर आ सके। सबसे पहले अधिकतम से न्यूनतम की ओर चलना पड़ेगा। चाहे वे उद्योग हों या सरकार उन्हें राष्ट्र के नागरिकों की आवश्यकताओं को सर्वोपरि प्राथमिकता देते हुए उनके जीवन को सुगम बनाने के अनुकूल व्यवस्थाएं करनी होंगी। उसी तरह उद्योगों में प्रबंधन को शीर्ष व्यक्ति एवं न्यूनतम व्यक्ति के बीच व्यापक आर्थिक अंतर को पाटना होगा। जापान की किसी भी इंडस्ट्री में सबसे बड़े अधिकारी और सबसे छोटे घटक की आमदनी के बीच 1:28 का अंतर है। लेकिन भारत में यह अंतर 1 की तुलना में कई सौ गुणा से भी ज्यादा है। ऐसे में सामाजिक संरचना की खाई को कम करना होगा। आर्थिक विषमता को कम करके समानता की ओर बढ़ना पड़ेगा। कर्मचारियों को खुश रखने के लिए प्रबंधन को यदि मुनाफे में कटौती भी करनी पड़े तो इसे सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। फिर वे ऐसे उत्पादों के निर्माण में सहयोग देंगे जो नये युग की आवश्यकता बनेंगे। अब उद्योगों में मालिक और मजदूर अलग-अलग घटक बनकर चलें तो व्यवस्था चरमराने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। श्रमिक का इस्तेमाल केवल साधन के तौर पर नहीं किया जा सकता। वर्तमान समय में अर्थशास्त्र से हटकर सोचना पड़ेगा। श्रमिक को भावनात्मक प्राणी के तौर देखना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शौचालय, स्वच्छता की बात की तो इस दिशा में व्यापक जागरूकता फैली। सभी ने उनका अनुसरण किया।

इसलिए नेतृत्व को जिम्मेदारी निभाते हुए नये समाज के निर्माण में भूमिका निभानी पड़ेगी। राजनीतिक घटकों पक्ष-विपक्ष को राष्ट्र के बारे में सोचना होगा। सत्ता में कैसे आएं, इससे ज्यादा यह महत्वपूर्ण होगा कि हमें देश को राष्ट्र के तौर पर स्थापित करना है। क्षेत्रवाद से निकलकर खुद को भारतीय के तौर पर स्थापित करना होगा तभी ब्रांडिंग होगी और भारत का ब्रांड बनना सुनिश्चित हो पाएगा। उद्योगों को लीक से हटकर सोचना होगा। महेंद्रा व मारुति सुजूकी जैसी कंपनियां भी वक्त की मांग को भांपकर वेंटिलेटर बनाने की ओर मुड़ गईं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का बहुत विशाल भविष्य है। बीते एक दशक से भी कम समय में अफ्रीका व मिडल ईस्ट देश भारत को मेडिकल टूरिज्म की तरह देखने लगे हैं। इस क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाकर इसकी व्यापक मार्केटिंग किए जाने की जरूरत है।

लेखक स्पेशल टॉस्क फोर्स ऑन ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, सीआईआई हरियाणा के चेयरमैन हैं।

ज्ञान गंगा

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों की अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और संपन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है। उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व संपन्न रह सकता है। एक व्यक्ति बेईमानी करता है और उसकी देखा-देखी दूसरे व्यक्ति बेईमानी करने लगें तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अंतर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपनाकर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी कहा जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है। सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा और उसकी वस्तुएं छीन लेगा और ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर व्यक्ति दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई हैं। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अंतरात्मा की साक्षी ले ली जाए। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धक्-धक् करने लगता है। शरीर से पसीना छूटता है, ऐसा प्रतीत होता है कि कोई उसे इस कार्य के लिए रोक रहा है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए। जिस काम को करने में अंदर से प्रसन्नता और आनंद महसूस न हो, समझना चाहिए वह काम नैतिकता के अंतर्गत नहीं है, उसे त्याग देना चाहिए।

फरमानों की विसंगतियों के यक्ष प्रश्न

राजेन्द्र चौधरी

पहली खबर थी कि हरियाणा की बसों में टिकट केवल ऑनलाइन बिकेंगे। फिर रेलवे के संदर्भ में खबर थी कि अब स्टेशन पर टिकट आरक्षण शुरू कर दिया है। क्या रेलवे की ऑफलाइन टिकट बिक्री से कोरोना नहीं फैलता पर बस की भौतिक टिकट बिक्री से फैलता है? इस अंतर का कोई औचित्य समझ में आता है। और अगर सरकार चाहती है कि बिना टिकट के कोई बस अड्डे में न जाए, तो रेलवे की तर्ज़ पर बस अड्डे के गेट पर ही टिकट बिक्री की व्यवस्था कर सकती थी। हालांकि, अब जनपद स्तर पर ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। हरियाणा का दूसरा सरकारी फरमान है कि सब सरकारी दफ्तर तो खुलेंगे पर उनमें जनता की आवाजाही नहीं होगी। कोई पब्लिक डीलिंग नहीं होगी। तो क्या सब सरकारी दफ्तर ऐसे होटल हैं, जिनमें केवल वहां काम करने वालों के लिए ही खाना पकता है? ऐसे सरकारी दफ्तरों की किसको ज़रूरत है? बिना पब्लिक के पब्लिक के पैसे से चलने वाले दफ्तर!

फिर रात का कर्फ्यू? क्या रात में कोरोना का वायरस ज्यादा घातक हो जाता है या कर्फ्यू इसलिए लगा है कि अख़बारों में ये सुर्खियां बन सके कि 'कर्फ्यू के दौरान चोरों ने चटकाये 6 दुकानों के ताले?' हरियाणा ने जब दिल्ली से आवाजाही पर रोक लगा रखी थी तो दिल्ली की ओर से कोई रोक-टोक नहीं थी, और अब जब हरियाणा ने दिल्ली से आवाजाही खोल दी है तो दिल्ली ने रोक दी है। कल तक के आदेशों को ध्यान निकल पड़ें, तो भगवान ही आप का रखवाला है, कोई पता नहीं कि किस आदेश में क्या बदलाव हो गया हो। ऐसे बेतुके तुगलकी फरमानों की सूची लम्बी है। इससे पहले आया था कि नाई के पास शेव या कटिंग करवाने के लिए अपना ब्रश और तौलिया लेकर जाना होगा। दो पहिया वाहन में दूसरी सवारी नहीं होगी और अपनी कार में भी कुल तीन लोग ही हो सकते हैं। यानी मियां-बीबी और बच्चे एक घर में तो इकट्ठे रह सकते हैं पर इकट्ठे अपनी कार में कहीं आ-जा नहीं सकते क्योंकि कोरोना फैलने का डर है। शुक्र है अब ये आदेश रद्द हो गए हैं। खैर गलती, गलत फैसला किसी से भी हो सकता है। इसका इलाज है जनता को अपनी आवाज़ उठाने का मौका मिले ताकि शासक को अपनी गलतियों का पता चल सके और सुधार हो सके। पर अब तो यह भी संभव नहीं है क्योंकि तालाबंदी खुलने के पहले दौर में भी बैठक करने पर रोक जारी है और अदालतें भी लगभग बंद हैं। लोकतंत्र में यह ज़रूरी है कि जनता मिल-बैठकर विचार कर सके, अनुभव बांट सके। बिना मिलेजुले तो सब काम ऑनलाइन नहीं हो सकते; तभी तो सरकारी दफ्तर खुले हैं और सब सुविधाओं के बावजूद मोदी भी अपने मंत्रिमंडल के साथ आमने-सामने बैठकर बैठक करते हैं। लोग मिलेंगे नहीं, विचार-विमर्श नहीं करेंगे तो समाज की आवाज़ कैसे सामने आयेगी? बिना सामाजिक विमर्श के तो वह एक व्यक्तिगत राय रहेगी। फिर यह सवाल भी है कि अगर शादी-ब्याह के लिए 50 लोग इकट्ठे हो सकते हैं

कोरोना का वायरस शादी समारोह में हमला नहीं करता पर बाकी बैठकों में करता है? सरकार और संस्थाओं में कमेटियां बनती हैं ताकि विशेषज्ञों की राय मिल सके या स्वतंत्र तरीके से किसी विषय पर विचार हो सके। पर बहुत बार होता यह है कि कमेटी निर्णय वही सुनाती है जो कमेटी बनाने वाला चाहता है। ऐसा बहुत बार होता है पर यह परदे के पीछे से होता है।

औपचारिक व्यवस्था तो यही है कि जिसको निर्णय लेने का अधिकार है वह स्वतंत्र रूप से स्व-विवेक से निर्णय ले। पर यहां तो खुलेआम लिखित में सरकारें जिला मजिस्ट्रेट को कह रही हैं कि अपने यहां इतने बजे से इतने बजे तक का कर्फ्यू लगाओ। संभव है ऐसे आदेश देने की कोई प्रतिकूल है। अगर देश में कर्फ्यू लगाने का फैसला केंद्रीय या राज्य के गृहसचिव को लेना है, तो वे लें एवं लगा दें, देश व राज्य में कर्फ्यू पर अगर यह आदेश जिला मजिस्ट्रेट को देना है तो यह उसका निर्णय होना चाहिए न कि हस्ताक्षर उसका और फरमान किसी और का। न्याय प्रणाली में एक 'स्पीकिंग ऑर्डर' होता है यानी सकारण आदेश, ऐसा आदेश जो निर्णय देने के साथ-साथ तर्कपूर्ण ढंग से उस निर्णय की सफाई भी देता है, उसे न्यायसंगत भी ठहराता है। क्या सरकारी अधिकारियों से यह आशा करना अनुचित होगा कि वे भी सकारण आदेश दें और बताएं कि रात के कर्फ्यू की ज़रूरत क्या है? कि दुकानों की

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश,

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार ने महिला जनधन खातों में जारी की 500 रुपए की तीसरी किस्त

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत महिला जनधन खाताधारकों के खाते में जून महीने में तीसरी किश्त जारी की जा रही है। वित्त मंत्रालय ने आज यहां बताया कि पहले की दो किश्तों की तरह ही इस बार भी बैंक खाते के अंतिम नंबर के आधार पर कल से राशि हस्तातंरित की जाएगी। इसके तहत अंत के शून्य और एक नबंर वाले खातों में पांच जून को राशि हस्तातंरित की जायेगी। मंत्रालय के अनुसार इसी तरह से दो और तीन नंबर वाले खातों में छह जून को, चार और पांच अंक वाले खातों में आठ जून , छह और सात अंक वाले खातों में नॉ जून और आठ तथा नौ अंक वाले खातों में 10 जून को धनराशि हस्तांतरित की जायेगी। इसके बाद खाताधारक अपने खाते से धनराशि निकाल सकेंगे। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के मद्देनजर सरकार ने गरीबों की मदद के उद्देश्य से महिला जनधन खाताधारकों को तीन महीने तक हर महीने 500 - 500 रुपये देने का निर्णय लिया था और इसी के तहत यह राशि हस्तातंरित की जा रही है।

ओला का तमिलनाडु में परिचालन फिर शुरू

चेन्नई, एप पर टैक्सी बुकिंग सेवा देने वाली कंपनी ओला ने चेन्नई समेत तमिलनाडु में अपना परिचालन फिर शुरू कर दिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक उसने पूरे राज्य में अपना परिचालन शुरू कर दिया है। इसमें चेन्नई भी शामिल है। इससे पहले कंपनी कोयंबटूर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली और सलेम में अपनी सेवाएं शुरू कर चुकी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि चेन्नई में उसने अपना परिचालन शुरू कर दिया है। ग्राहक अपनी जरूरत के मुताबिक ऑटोरिक्शा और कैब बुक कर सकते हैं। कोविड-19 संकट को देखते हुए कंपनी ने कई सुरक्षा कदम उठाए हैं। इसमें ड्राइवरों के लिए मास्क, यात्रा शुरू होने से पहले और खत्म होने के बाद कार को सैनेटाइज करना और यात्रियों के बीच नकदी रहित भुगतान को बढ़ावा देना शामिल है।

सोना 274 रुपये टूटा, चांदी 542 रुपये कमजोर

नयी दिल्ली. राष्ट्रीय राजधानी के हाजिर सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 274 रुपये की गिरावट के साथ 47,185 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। बुधवार को सोना 47,459 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 542 रुपये की हानि दर्शाती 49,558 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई। इससे पिछले सत्र में चांदी 50,100 रुपये प्रति किग्रा थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) तपन पटेल ने कहा, ''दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव में 274 रुपये की गिरावट देखी गई जो रुपये के कमजोर होने के बावजूद वैश्विक बाजार में कल रात सोने में आई गिरावट को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में ढील के साथ भारत में धीरे-धीरे खुदरा सर्राफा दुकानें खुल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव लाभ के साथ 1,704 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी का भाव 17.62 पर लगभग अपरिवर्तित रहा।

कोविड-19- टैफे ने की एक लाख एकड़ जमीन पर खेती में छोटे किसानों की मदद

नयी दिल्ली. कृषि उपकरण बनाने वाली कंपनी ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने मुफ्त ट्रैक्टर रेंटल सेवा के जरिये पिछले दो महीने में एक लाख एकड़ से अधिक जमीन पर खेती में छोटे किसानों की मदद की है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि इस सेवा की राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में काफी मांग देखने को मिल रही है। कंपनी ने कहा कि इस पेशकश के तहत वह जेफार्म सर्विसेज प्लेटफॉर्म के माध्यम से छोटे किसानों की मदद के लिये मुफ्त ट्रैक्टर रेंटिंग सेवाएं दे रही है। यह पेशकश 90 दिनों के लिये है और यह 30 जून 2020 तक उपलब्ध है। कंपनी का दावा है कि अभी तक इस सेवा का लाभ उठाकर छोटे किसान एक लाख एकड़ से अधिक रकबे में खेती कर चुके हैं। कंपनी ने बताया कि इस पेशकश के तहत जेफार्म सर्विसेज प्लेटफॉर्म पर 38,900 मैसी फर्ग्यूसन और आयशर ट्रैक्टर्स तथा 1,06,500 अन्य उपकरणों का पंजीकरण हुआ। छोटे किसानों ने इन्हें जेफार्म सर्विसेज के माध्यम से किराये पर लिया। कंपनी ने छोटे किसानों के बदले किराये का भुगतान अपनी तरफ से ट्रैक्टर व उपकरण मालिकों को किया। इससे छोटे किसानों के साथ ही ट्रैक्टर मालिकों को भी लाभ हुआ।

सेबी ने जिंस डेरिवेटिव्स सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया

नयी दिल्ली, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जिंस डेरिवेटिव्स सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया है। यह समिति इस खंड में अनुबंध डिजाइन और नए उत्पादों से संबंधित मुद्दों को देखती है और आपूर्ति व्यवस्था तथा भंडारण संबंधी मसलों पर सलाह देती है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी अशोक दलवानी को इस 17 सदस्यीय समिति का चेयरमैन बनाया गया है। समिति के अन्य सदस्यों में बीएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आशीष चौहान, एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ विक्रम लिमये शामिल हैं। इसके अलावा एमसीएक्स, आईसीईएक्स और एनसीडीईएक्स के प्रमुख भी समिति के सदस्यों में हैं। समिति में सेबी, नीति आयोग, रिजर्व बैंक, वित्त मंत्रालय, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), कमोडिटी पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीपीएआई), भंडारण विकास एवं नियामक प्राधिकरण (डब्ल्यूडीआरए) और एमएमटीसी का भी प्रतिनिधित्व है। इसके अलावा कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी), कृषि विभाग, परिवार कल्याण, उपभोक्ता मामलों का विभाग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग तथा वाणिज्य विभाग के प्रतिनिधि भी समिति में शामिल हैं।

बाजारों में छह दिन की तेजी के सिलसिले पर ब्रेक, बैंक शेयर टूटे

मुंबई.

शेयर बाजारों में पिछल छह कारोबारी सत्रों से चले आ रहे तेजी के सिलसिले पर बृहस्पतिवार को ब्रेक लगा। कमजोर वैश्विक रुख के बीच निवेशकों की मुनाफावसूली से स्थानीय बाजार उतारचढ़ाव भरा रहा और अंत में प्रमुख शेयर सूचकांक नीचे आ गये। कारोबारियों ने कहा कि बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली तथा रुपये में गिरावट से बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में 599 अंक ऊपर-नीचे होने के बाद अंत में 128.84 अंक या 0.38 प्रतिशत के नुकसान से 33,980.70 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 34,310.14 से 33,711.24 अंक घमूता रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 32.45 अंक या 0.32 प्रतिशत के नुकसान से 10,029.10 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स का शेयर सबसे अधिक 4.85 प्रतिशत टूट गया। बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर भी नीचे आए। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा, सनफार्मा, भारती एयरटेल और पावरग्रिड के शेयर 5.34 प्रतिशत तक चढ़ गए। ब्याज भुगतान पर रोक संबंधी मामलें पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी से बैंकिंग शेयर दबाव में आ गए। उच्चतम न्यायालय ने ऋण की किस्त के भुगतान की अवधि में ब्याज माफ करने की अपील पर वित्त मंत्रालय का जवाब मांगा है। रिजर्व बैंक का कहना है कि ब्याज को जबरिया माफ करने से बैंकों की वित्तीय व्यवहार्यता प्रभावित होगी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, ''दुनियाभर शेयर बाजारों में जारी तेजी बृहस्पतिवार को थम गई। निवेशक यूरोपीय केंद्रीय बैंक से कोरोना वायरस की वजह से आई गिरावट के बीच और प्रोत्साहन का इंतजार कर रहे हैं।'' जसानी ने कहा कि शेयरों, तेल और मुद्रा में अच्छी बढ़त के लंबे सिलसिले के बाद अब निवेशक कुछ मुनाफा काट रहे हैं। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.06 प्रतिशत की गिरावट आई। वैश्विक बाजार यूरोपीय केंद्रीय बैंक के नीतिगत फैसले से पहले 'देखो और इंतजार करो' की नीति अपना रहे हैं। अन्य एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में चल रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 1.21 प्रतिशत टूटकर 39.31 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया 10 पैसे के नुकसान से 75.57 (अस्थायी) प्रति डॉलर रहा। इस बीच,

दुनियाभर में कोविड-19 के मामलों की संख्या 64.32 लाख हो गई है। इस महामारी से अब तक 3.85 लाख लोगों की जान जा चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 6,075 पर पहुंच गई है। यहां इसके संक्रमण के मामले 2,16,919 हो गए हैं।

रेलवे ने यात्रियों को लौटाया 1885 करोड़ रुपए, लॉकडाउन में बुक किए थे टिकट

नई दिल्ली:

रेलवे ने कहा है कि लॉकडाउन की अवधि में बुक किए गए टिकट को रद्द करने के एवज में यात्रियों को 1885 करोड़ रुपये वापस कर दिया गया है। रेलवे ने कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान अपनी नियमित यात्री ट्रेन सेवा रद्द कर दी थी। रेलवे ने कहा है, ''सारी ट्रेनों को रद्द किए जाने के कारण रेलवे के समक्ष यात्रियों को भारी मात्रा में राशि वापस करने की चुनौती थी।%% रेलवे ने कहा है, ''रेलवे ने 21 मार्च से 31 मई के बीच ऑनलाइन तरीके से बुक टिकट के एवज में रद्द टिकटों के लिए 1885 करोड़ रुपये यात्रियों को वापस कर दिया है।%% रेलवे के अनुसार टिकट खरीदने में लगी समस्त राशि लौटा दी गई है। रेलवे ने कहा है कि टिकट बुक करते समय जिस खाते से भुगतान हुआ था, वहां पर राशि भेज दी गई है। रेलवे के कदम से यात्रियों को समय पर अपनी राशि का भुगतान हो गया है और अपनी रकम के लिए पीआरएस काउंटर जाने से बचना पड़ गया।

सरकार कोरोना संकट से निपटने के लिये समय पर कदम नहीं उठाती, देश को व्यापक हानि होती: आडाणी

नयी दिल्ली।

दिग्गज उद्योगपति गौतम अडाणी ने कहा है कि अगर सरकार कोविड-19 महामारी को देखते हुए उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्णय लेने में देरी करती तो देश को वृहत स्तर पर नुकसान होता और उसका वैश्विक प्रभाव होता। अडाणी समूह के चेयरमैन ने यह भी कहा कि यह समय भारत में दांव लगाने के लिये उपयुक्त है क्योंकि देश स्थिर लोकतांत्रिक संचालन व्यवस्था के साथ दुनिया के शीर्ष उपभोक्ता केंद्रों, विनिर्माण और सेवा केंद्रों में से एक होगा। अडाणी एंटरप्राइजेज की बुधवार को जारी सालाना रिपोर्ट में चेयरमैन संदेश में उन्होंने कहा, ''हमें यह एहसास होना चाहिए कि वास्तव में निरपेक्ष रूप से कोई सही या गलत विचार नहीं होता है। कोविड-19 जैसे अप्रत्याशित संकट के दौरान आखिर किस बात की जरूरत थी? सरकार निश्चित समय पर उपलब्ध बेहतर सूचना और जो भी नई जानकारी आयी, उसके आधार पर निर्णय लेती रही।'' उन्होंने कहा, ''इसके लिये भारत सरकार और अधिकारी निश्चित रूप से सराहना के पात्र हैं।'' अडाणी ने कहा, ''हमसे अधिक साधन संपन्न देश आज इस संकट से पार पाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। वहीं वायरस के खिलाफ हमारी मुहिम भी अभी निष्कर्ष पर पहुंचने से काफी दूर है, इसके बावजूद मुझे यह कहने में तनिक भी झिझक नहीं है कि अगर निर्णय लेने में देरी होती, हमें व्यापक नुकसान का सामना करना पड़ता जिसका न केवल देश बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रभाव होता।'' उद्योगपति ने कहा कि निश्चित रूप से कारोबार काफी प्रभावित हुए, लोगों की जानें गयी और नौकरियां गंवानी पड़ी तथा प्रवासी मजदूर संकट ने पूरे देश को उदास किया लेकिन अनजाने विकल्पों का प्रभाव और भी गंभीर हो सकता था। उन्होंने कहा कि नेताओं, डॉक्टरों, चिकित्साकर्मियों, पुलिस, सेना, खोमचे और रेहड़ी वाले और नागरिकों ने महामारी के दौरान एक-दूसरे की मदद के लिये जो

अपनी-अपनी भूमिका निभायी, वह भारत के स्वभाव और उसकी मजबूती को प्रतिबिंबित करता है। अडाणी ने कहा कि सरकार जनधन, आधार और मोबाइल को जोड़कर जो एक व्यवस्था बनायी, उससे अब वह जरूरतमंदों को सीधे लाभ पहुंचाने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ''.... मैं कोरोना वायरस महामारी के कारण अल्पकाल या मध्यम अवधि में संभावित आर्थिक परिणाम के बारे में बताने की स्थिति में नहीं हूं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि भारत अगले कई दशकों तक एक बढ़ता हुआ बाजार होगा और इसकी आसानी से उपेक्षा नहीं की जा सकती।'' आडाणी ने कहा कि यह चमकता हुआ स्थिर लोकतांत्रिक संचालन व्यवस्था के साथ दुनिया का प्रमुख उपभोक्ता केंद्र, विनिर्माण और सेवा केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि भारत पर दांव लगाने का इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता। समूह की कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद समूह की बाजार में सूचीबद्ध छह कंपनियों का कामकाज बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि चुनौतियों को देखते हुए समूह को जरूरत के अनुसार रणनीति में बदलाव लाने की आवश्यकता पड़ सकती है लेकिन हमारी रूपरेखा बिल्कुल साफ है।

कोरोना संकट में हुआ बड़ा उलटफेर, टू-व्हीलर की 'बादशाह' हीरो को बजाज ने पछाड़ा

बिजनेस डेस्क:

कोरोना संकट के दौरान दोपहिया वाहन कंपनियों की लीड़रशिप में बड़ा उलटफेर हुआ है। देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प को बजाज ने दूसरे नंबर पर धकेल दिया है। मई महीने में बजाज भारत की सबसे बड़ी टू-व्हीलर मार्केट बनकर उभरी है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे स्थित बजाज ऑटो ने मई महीने में घरेलू और एक्सपोर्ट मार्केट में 112,798 यूनिट की बिक्री की है, जबकी इतने ही समय में हीरो मोटोकॉर्प ने घरेलू और एक्सपोर्ट मार्केट को मिलाकर 112,682 यूनिट की बिक्री की है। हालांकि दोनों के बीच बिक्री के आंकड़ों में ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन जहां सबसे ज्यादा यूनिट की बिक्री में आगे रहने वाली हीरो दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। अप्रैल महीने में भी बजाज ने हीरो मोटोकॉर्प से बढ़िया प्रदर्शन किया था लेकिन अप्रैल में सिर्फ एक्सपोर्ट मार्केट खुला था लेकिन घरेलू मार्केट पूरी तरह से बंद था। लगातार छठे महीने बजाज के दो पहिया वाहनों का एक्सपोर्ट मई में भारत के भीतर अपनी दोपहिया वाहनों की सेल से अधिक था। कंपनी पल्सर और चेतक की बिक्री दूसरे देशों में भारत के मुकाबले ज्यादा करती है। जबकि देखा जाए तो हीरो मोटरसाइकिल और स्कूटर दोनों का निर्माण करती है जबकि बजाज ऑटो मुख्यत: मोटरसाइकिल का ही प्रॉडक्शन करती है। बजाज ने हाल ही में बजाज का ई-चेतक स्कूटर लॉन्च किया है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का कहना है कि मई महीने में बजाज की कुल बिक्री में 65 फीसद योगदान एक्सपोर्ट का है। मई महीने में बजाज ने घरेलू मार्केट में 39,286 यूनिट की बिक्री की है। वहीं मई महीने में लॉकडाउन नियमों में ढील के बाद हीरो के 5,000 सेल्स और सर्विस सेंटर खुलने के बाद 108,848 यूनिट की बिक्री हुई है। इसी महीने कंपनी ने 3,834 यूनिट एक्सपोर्ट किए हैं। एक्सपोर्ट में होने वाली वृद्धि ने एक अन्य भारतीय कंपनी की रैंकिंग को आगे बढ़ाने में मदद की है। टीवीएस मोटर कंपनी ने इसी दौरान होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर की तुलना में मई महीने में अधिक टू-व्हीलर्स वाहन बेचे हैं। अप्रैल में भी होंडा की तुलना में

टीवीएस की बिक्री अधिक थी। यह पहली बार हुआ है।

बीएमएस करेगा सरकार के निजीकरण अभियान के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

नयी दिल्ली.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सरकार के आक्रामक निजीकरण के अभियान के खिलाफ 10 जून को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगा। एक बयान में, बीएमएस ने कहा कि सरकार अपने तंत्र को चलाने के लिए धन की सख्त आवश्यकता के बहाने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के निजीकरण करके को उचित ठहरा रही है। बीएमएस ने कहा, ''उसे (सरकार) को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय संपत्ति को बेचने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। बीएमएस तब तक लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है जब तक कि वह सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र विरोधी और श्रमिक-विरोधी निर्णय लेने से नहीं रोक देता। इसके लिए बीएमएस 10 जून, 2020 को %सार्वजनिक क्षेत्र को बचाओ, भारत बचाओं'' बैनर के तले एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेगा। मंगलवार और बुधवार को बीएमएस की सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोयला, गैर-कोयला, रक्षा, रेलवे, डाक, बैंकिंग, बीमा, इस्पात, समुद्री क्षेत्र की कंपनियों तथा दूरसंचार, बिजली, भारी इंजीनियरिंग, तेल और गैस, विमानन, रसायन, मुद्रा एव सिक्क, परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों में बीएमएस यूनियनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बीएमएस ने यह बैठक, केन्द्र सरकार के निजीकरण की आक्रामक पहल के खिलाफ कार्रवाई के बारे में निर्णय करने के लिए आयोजित की थी। बीएमएस ने कहा कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। संगठन ने कहा कि पिछले कुछ दशकों से देखा गया है कि सरकारें देश के कामगारों पर अनुचित फैसले लादने और थोपने का प्रयास करती हैं। इसने कहा है कि सरकार के सलाहकारों के पास राजस्व सृजित करने की सोच की कमी है। इससे उन्हें राजस्व के लिए निगमीकरण और निजीकरण का रास्ता ही सूझता है। बीएमएस ने कहा कि सरकार के ऐसे सलाहकार राष्ट्र के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। बीएमएस ने कहा कि सरकार को अंशधारकों से मिलकर रराजकोषीय घाटा और राजस्व सृजन जैसे मुद्दे का समाधान निकालना चाहिए।

कोरोना संकट से टाटा कंज्यूमर के लाभ पर पड़ सकता है असर

नयी दिल्ली।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण अल्पकाल में उसके लाभ पर असर पड़ सकता है। कोविड-19 संकट और 'लॉकडाउन' के कारण जिंसों के दाम में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण कच्चे माल की लागत बढ़ी है। हालांकि कंपनी ने कहा कि इस समय नुकसान का आकलन करना कठिन है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हालांकि कंपनी की बिक्री सामान्य स्तर पर आ रही है लेकिन स्वास्थ्य संकट के कारण परिचालन लागत बढ़ी है। टीसीपीएल ने कहा, ''अल्पकाल में मुनाफे पर कुछ प्रभाव पड़ेगा लेकिन इस समय यह आकलन करना मुश्किल है कि नुकसान कितना होगा।'' टाटा समूह की कंपनी ने हालांकि कहा कि उसके पास नकदी की समस्या नहीं है और वह अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये सक्षम है। कंपनी टाटा टी, टाटा नमक, टेटले जैसे उत्पाद बेचती है। टीसीपीएल ने कहा कि कंपनी ने कोरोना वायरस संकट के कारण उत्पन्न स्थिति में नकदी बचाने के लिये लागत को काबू में किया है और उभरती

स्थिति के समाधान को लेकर पर्याप्त कदम उठाये हैं। कोविड-19 के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव के बारे में कंपनी ने कहा, ''स्थिति असाधारण है और इसमें तेजी से बदलाव हो रहा हैं।

ऐसे में कंपनी फिलहाल यह बताने की स्थिति में नहीं है कि इसका आने वाले समय में परिचालन पर कितना प्रभाव पड़ेगा।'' टीसीपीएल ने हालांकि कहा कि मौजूदा प्रवृत्ति को देखते हुए कपनी पर कोई खास प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका नहीं है।

जून में 18 हजार टन से अधिक स्टेनलेस इस्पात का निर्यात करेगी जिंदल स्टेनलेस

नयी दिल्ली, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जून में 18 हजार टन से अधिक स्टेनलेस इस्पात का निर्यात करेगी। यह निर्यात रूस और कुछ यूरोपीय देशों के ग्राहकों को किया जायेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने मई में 12 हजार टन से अधिक स्टेनलेस इस्पात का निर्यात किया था। कंपनी ने कहा, ''भारत में अभी भी पूरी तरह से लॉकडाउन समाप्त नहीं हुआ है। ऐसे में निर्यात बाजारों में हिस्सेदारी पुनर्प्राप्त करने की कंपनी की रणनीति उत्साहजनक परिणाम दे रही है। जून में कंपनी 18 हजार टन से अधिक का निर्यात करेगी, जो कि कोविड-19 महामारी की शुरुआत से पहले का स्तर है। सामान्य महीनों में यह (निर्यात) कुल उत्पादन का करीब 18 से 20 प्रतिशत रहता है।'' कंपनी ने कहा कि वह दक्षिण कोरिया जैसे देशों को भी स्टेनलेस इस्पात का निर्यात करने वाली है। जेएसएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) अभ्युदय जिंदल ने कहा, हम आक्रामक रूप से

यूरोपीय संघ और रूस में निर्यात बाजारों पर ध्यान दे रहे हैं। इन बाजारों का हमारे कुल निर्यात में खासा योगदान है। इसके अलावा हम निर्यात को बढ़ाने के लिये दक्षिण कोरिया और दक्षिणी अमेरिका जैसे बाजारों में नये मौकों की भी तलाश कर रहे हैं। हम बाजार की परिस्थितियों के अनुकूल अपने संयंत्रों में परिचालन बढ़ा रहे हैं। एक बार जब घरेलू मांग आने लगेगी, हम उसे पूरा करने के लिये सहजता से तैयार होंगे।'' जेएसएल देश की सबसे बड़ी स्टेनलेस इस्पात निर्माता कंपनी है। ओडिशा के जाजपुर में स्थित कंपनी के संयंत्र की वार्षिक क्षमता 11 लाख टन है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सावधानी से करें अपने जीवनसाथी का चुनाव

किसी को जीवनसाथी चुनने के लिए केवल यही जरूरी नहीं होता कि आप उसे प्यार करते हैं और इसीलिए वह आपके लिए एकदम ठीक है। यह जानना भी जरूरी है कि क्या आपका और उनका साथ पूरी तरह से ठीक बैठता है? इसे अच्छी तरह विचार करना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि यह आपकी जिन्दगी का एक अहम फैसला है। आपकी पसंद पर ही आपका पूरा भविष्य टिका होता है, इसीलिए आपको अपनी तरफ से पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए कि आपकी पसंद एकदम सही है।

इसके लिए सबसे पहले आपको अपने आप से पूरी ईमानदारी के साथ यह सवाल करके देखना होगा कि आप उसे प्यार क्यों करती हैं या उसके साथ क्यों हैं? अगर आप ठीक यही प्रश्न अपने मित्रों से करें तो शायद उन्हें आश्चर्य भी हो सकता है। उनका जवाब यही होगा कि क्योंकि वह मुझे प्यार करता है या फिर मैं उसे दुखी नहीं करना चाहती। इस तरह के उत्तर इस बात की ओर संकेत करते हैं कि यह रिश्ता पूरी तरह से डर, असुरक्षा व दया पर आधारित है। लेकिन जब रिश्तों में बहुत सारे अगर-मगर, लेकिन व और आने लगें तो इसका अर्थ है कि जल्दी या देर से ही सही इस रिश्ते का अंत निश्चित है।

यहां इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि आपका संबंध विच्छेद हो जाएगा। हो सकता है कि आप अपनी बाकी की जिंदगी एक-दूसरे के साथ ही गुजार दें लेकिन एक आदर्श जोड़े के रूप में आप नाकामयाब हों। तो फिर प्रश्न उठता है कि अपना सही जीवनसाथी कैसे चुनें। यह तो स्वाभाविक है कि आप उसे साथी चुनते हैं जो आपको पहली नजर में ही शारीरिक रूप से आकर्षित करे, पर इसका अलावा भी बहुत से ऐसे पक्ष हैं जो महत्वपूर्ण हैं, जिनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बातचीत का स्तर

जब आप अपने साथी से बात करें तो यह देखें कि क्या उसका और आपका स्तर समान है? आपकी बात का जवाब देने में उसे कितना समय लगता है? क्या आप बोर हो जाती हैं जब आपके प्रश्न के उत्तर में वह बाकी सब कुछ बताता है केवल उसे छोड़कर जो आपने पूछा था? या फिर वह जो मजाक करता है उसे आप पसंद करती हैं? क्या वह आपकी तुलना में बहुत धीरे बोलता है? जब आप बोलती हैं तो क्या वह पूरी तरह आपकी बात समझता है? क्या आप वास्तव में उससे सभी तरह की बातें कर सकती हैं?

समान रूचि

आप दोनों में ऐसा कुछ जरूर होना चाहिए जो समान हो। अन्यथा न तो आपके पास बात करने के लिए कुछ होगा और न ही मिलकर कुछ करने के लिए। ऐसे में शारीरिक संबंध भी आपको काफी दूर ले जा सकते हैं। जब दो व्यक्तियों की एकदम अलग रूचियां हों तो ऐसे में हमेशा किसी एक को दूसरे के लिए अपनी इच्छाओं की बलि देनी होगी। या फिर आप पूरी तरह से अलग जिंदगी जिएंगे।

ख्वाहिशे

क्या आप दोनों ही जिंदगी में एक ही तरह की चीजें चाहते हैं? या वह आपको पीछे करके स्वयं आगे जाना चाहता है? क्या वह आपको अपनी इच्छा का कॅरियर अपनाने की स्वतंत्रता देने की इच्छा रखता है? यहां तक कि अगर देर रात तक काम करना हो तो वह इसकी इजाजत देगा?

उक्त बातों में बहुत सी चीजें आपकी व्यक्तिगत पसंद पर आधारित होती हैं। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप क्या हैं और आप क्या स्वीकार नहीं करना चाहतीं? केवल इसीलिए कि आप किसी को प्यार करने लगी हैं इसलिए वह आपके लिए उचित जीवनसाथी नहीं हो सकता। बहुत से लोगों के अनुभव इस बात को सिद्ध करते हैं।

ऐसे रखें बालों का ख्याल

नारी की खूबसूरत का आइना, नारी के केश से लगाया जाता है, जो उनमें एक अलग तरह की जान डाल देते है। इन केशो को और अधिक खूबसूरत बनाने के लिए हम आपको बता रहें कि क्या करें, क्या न करें?

- केशों की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आप अपने केशो को सप्ताह में कम से कम दो बार अवश्य धोया जाए।
- गंदे और चिपचिपे केशों को हर दूसरे व तीसरे दिन धोएं ताकि उनमें जमे धूल के कण साफ हो जाए।
- केशों को धोते समय उन्हें कई बार साफ पानी से धोएं। यदि केशों में शैंपू या कंडीशनर रह जाए तो केशो को हानि पहुंचाती है।
- अगर आप अपने केशो में कई प्रकार के प्रोडक्ट्स का प्रयोग करती है तो आपको नियमित रूप से केशो की सफाई करनी होगी क्यो कि ये केशो को कमजोर बना देते है।

- केशो को धोने के बाद हो सके तो धूप में या फिर हवा में ही सुखाएं। अगर आप केशो को सुखाने के लिए ड्रायर का उपयोग करते है तो केशों को अधिकतम हीट पर न सुखाएं क्यो कि हीट से सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचता है। जब केश बहुत गीले हो तो उन्हें ब्लो ड्राई न करें। इससे उनकी जड़ों को नुकसान पहुंचता है। ड्रायर को कभी भी एक स्थान पर रोककर न रखें। हल्के हल्के घुमाते हुए केश सुखाएं। आधे केशों के सूखने के बाद ड्रायर को कूल पर सेट करें। केशों को खोलकर ही सुखाएं।
- केशो में कंघी को सही रूप से करना चाहिए और ज्यादा कंघी को करने से केशो को हानी पहुचती है, जिससे तैल ग्रंथियां बहुत ज्यादा सक्रिय हो उठती हैं, और वे चिपचिपे से हो जाते हैं।
- चिपचिपे केशों में मिट्टी व धूल के कण जमा हो जाते हैं। इससे केशों की बाहरी सुरक्षात्मक झिल्ली को भी नुकसान पहुंचता है।
- स्वस्थ व सुंदर केशों की सफाई के लिए शैंपू व कंडीशनर बेहद जरुरी है, क्योंकि ये केशों पर एक अस्थायी सुरक्षात्मक परत चढ़ा देते हैं और इससे केशों को खास चमक प्रदान होती हैं।
- पौष्टिक आहार से केशों की जड़ों को अंदर से पोषण मिलता है। ताजे फल, हरी सब्जियां व प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में लें। केशों में चमक लाने के लिए विटामिन ई युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें व सिर की तेल से मालिश करें।

ऐसा हो रिश्तों का बंधन

प्यार एक ऐसा बंधन होता है, जो कि विश्वास पर टिका होता है, अगर ये विश्वास न रहा तो आपका प्यार को टूटने से कोई नहीं बचा सकता है। इसे निभाने के लिए प्यार के डोर को मजबूत करना होता है, तभी आपके रिश्ते को लंबी उम्र मिल सकती है। इसके लिए आपको इन बातो का ध्यान रखना होगा...

हर समय साथ दें : क्या आप जानते है कि आपके अपने इतने सारे दोस्तो में आप किसी एक को ही क्यों पंसद करते हैं, क्योंकि वो आपको आसानी से समझ सकता है, तभी तो आप उससे प्यार करने लगते हैं और हर समस्या का निवारण आसानी से हो जाता है। जब भी कोई सिचुएशन आती है, तो आपको अपने साथी की मदद करनी चाहिए।

सम्मान अहम है : भारतीय समाज में सम्मान की अहम भुमिका होती है इसके लिए आपको एक-दूसरे को सम्मान देना जरूरी है, जो आपके रिश्तो को करीब लाऐगी, और रिश्तो मे कड़वाहट को दूर करेगी।

समझे स्थिति को: आपको अपने रिश्तों में एडजस्टमेंट करना जरूरी है, इससे आपकी स्थिति मे काफी सुधार होगा। आप अपने अनुसार परिस्थिति को समझने की कोशिश करें ताकि आपके हालातो में सुधार होगा।

रखें विश्वास: रिश्तों में विश्वास का होना जरूरी है। जिस रिश्ते में विश्वास नहीं होता है, वहां रिश्ते की नींव डगमगाने लगती है। परिस्थिति चाहे जैसी भी हो, आपको एक-दूसरे पर विश्वास रखना होगा तभी जीवन की गाड़ी आगे बढ सकती है।

दोहरी चुनौती से जूझती कामकाजी महिलाएँ

आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं।

समाज में अब एक क्रांतिकारी परिवर्तन आ चुका है। इसमें और चीजों के साथ ही महिलाओं की दशा भी सुधरी है। आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं। जिससे कामकाजी महिलाओं की आफिसों में मुश्किलें बढ़ रही हैं।

रेखा को जब नौकरी मिली तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन धीरे-धीरे अपनी खुशियां उसे एकदम धूमिल होती नजर आने लगीं। रेखा पहले दिन जब आफिस गई तो वहां का वातावरण उसे बहुत अच्छा लगा। शुरू-शुरू में तो सभी सहकर्मियों का व्यवहार भी अच्छा रहा। लेकिन धीरे-धीरे पुरुष सहकर्मियों के प्रति उसकी धारणा बदलने लगी, हर पुरुष उसे अजीब नजरों से देखता। पहले जींस और शर्ट पहन कर आफिस जाने वाली रेखा को लगा कि इसका कारण शायद उसके आधुनिक कपड़े ही हैं। अतः उसने अपने कपड़ों पर ध्यान दिया और आफिस जाने के लिए ऐसे वस्त्र पहनने शुरू किये, जिनमें बदन न दिखता हो। वह आफिस में काम करते समय भी सतर्क रहती थी कि कहीं उसका बदन न दिखाई दे। साड़ी के पल्लू और दुपट्टे को वह हमेशा व्यवस्थित रखती थी फिर भी पुरुष सहकर्मियों की निगाहें उसे वस्त्रों के अंदर कुछ तलाशती सी महसूस होतीं। यह स्थिति रेखा के लिए बड़ी अजीब थी।

यही नहीं एक दिन तो हद ही हो गई, जब उसका एक पुरुष सहकर्मी जोकि उसमें बहुत रूचि लेने लगा था और जिसे रेखा ने समझाते हुए कहा भी था कि वह शादीशुदा है और उसका अपने पति पर पूरा विश्वास है तथा दोनों का मजबूत दांपत्य है। लेकिन इन सबके बावजूद वह कुछ समझने को तैयार नहीं था। उसने एक दिन प्रेमपत्र लिखा और रेखा की मेज पर छोड़ दिया। रेखा ने जब पत्र देखा तो वह गुस्से में आ गई और उसने वह पत्र अपनी एक महिला सहकर्मी को दिखाया तो उसने बताया कि आफिस में इसके पहले भी कुछ महिलाओं के साथ ऐसी घटनाएं घटी हैं। महिलाओं ने जब विरोध किया तो उन्हें बदनामी उठानी पड़ी। कुछ महिलाओं को तो इस बदनामी के चलते मजबूर हो कर नौकरी तक छोड़नी पड़ी। रेखा जैसी एक नहीं अनेकों महिलाएं हैं, जो अपने पुरुष सहकर्मियों के कारण मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रहती हैं लेकिन अब इन महिलाओं को नौकरी छोड़ने या पुरुष सहकर्मियों से दबने की आवश्यकता नहीं है। आज केन्द्र सरकार सहित विभिन्न राज्य सरकारों में एक प्रकार के शिकायत प्रकोष्ठ की व्यवस्था है, जिनमें महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। लेकिन होता यह है कि महिलाएं बदनामी के डर से किसी से शिकायत नहीं करतीं और स्वयं में घुट कर रह जाती हैं।

महिलाओं को यह समझना चाहिए कि बदलते परिदृश्य और आधुनिक जीवनशैली की एक आवश्यकता है कि वह घर की जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ आफिस की जिम्मेदारी भी संभालें। अगर कोई महिला कार्यालय के किसी सहयोगी से परामर्श लेती है, किसी बहस में गर्मजोशी से भाग लेती है तो पुरुष उस महिला के प्रति गलत धारणा बना लेता है। उसे लगता है कि वह महिला उसमें रूचि ले रही है। अतः वह इसका लाभ उठाने के लिए तैयार रहता है। कभी-कभी वह अनुचित प्रयास भी करता है। ऐसे में महिला यदि शिकायत भी करे, तो गलत उसे ही ठहराया जाता है। वैसे यह तथ्य भी उभर कर आया है कि कामकाजी महिलाओं को छेड़ने के मामले में उनके बॉस की भूमिका कम होती है। इस संदर्भ में कई लोगों का कहना है कि महिलाओं से छेड़छाड़ में सहयोगियों का हाथ ही अधिक होता है। कामकाजी महिलाएं ऐसे मामलों में परिवार के सदस्यों की बजाय दोस्तों से सलाह लेना अधिक पसंद करती हैं। खासकर वे इस बात की चर्चा अपने पति से कभी नहीं करतीं। उन्हें इस बात का भय रहता है कि पति उन्हें गलत समझेंगे और उनका दांपत्य टूट जाएगा।

महिलाओं को चाहिए कि वह आफिस में अपने काम से काम रखें और बेफालतू की बातों में न उलझें। वैसे पुरुष कर्मियों का भी यह फर्ज बनता है कि वह हंसी मजाक तो करें लेकिन उसकी एक सीमा हो। दोनों पक्षों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह मर्यादा की सीमा को न लांघें और न ही ऐसी स्थितयिां पैदा करें जिससे दूसरा व्यक्ति मानसिक तनाव में आ जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

कोरोना महामारी के बीच विश्व गोल्फ रैंकिंग अगले सप्ताह से होगी शुरू

वाशिंगटन। पीजीए टूर और कॉर्न फेरी टूर के तीन महीने में पहली बार आधिकारिक टूर्नामेंट आयोजित करने के साथ ही अगले सप्ताह से आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग भी शुरू हो जाएगी। कोरोना वायरस महामारी के कारण विश्व भर में अन्य खेलों की तरह गोल्फ भी बंद हो गया था और 15 मार्च से ही इसकी रैंकिंग में कोई फेरबदल नहीं हुआ है। यूरोपीय टूर 22 जुलाई तक शुरू नहीं होगा जिससे कुछ खिलाड़ी रैंकिंग अंक हासिल नहीं कर पाएंगे। आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग बोर्ड ने कहा कि अमेरिका के यूएसजीए और पीजीए टूर अपने क्वालीफाईंग मानदंडों में 15 मार्च की रैंकिंग को शामिल करने पर सहमत हो गये हैं। रोरी मैकलारॉय अभी विश्व के नंबर एक गोल्फर हैं।

डीडीसीए की दोबारा चुनाव की मांग, बीसीसीआई चाहती है तदर्थ समिति

नई दिल्ली ।

बीते कुछ महीनों से विवादों के कारण बीसीसीआई ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) को वित्तीय सहायता देने पर रोक लगा दी है। बीसीसीआई अब चाहती है कि संघ को चलाने के लिए तदर्थ (एड-हॉक) समिति स्थापित की जाए। लेकिन डीडीसीए के अधिकारियों का मानना है कि संघ को चुनाव दोबारा होने चाहिए, क्योंकि रजत शर्मा के इस्तीफा देने के बाद से अध्यक्ष का पद खाली है और अब विनोद तिहारा भी जेल में हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि इस समय डीडीसीए के रोजमर्रा के कामकाज को आगे ले जाने का एक ही तरीका है और वो है एड-हॉक समिति का गठन। अधिकारी ने कहा, हमने फंड रोक दिया है और हम एक एड-हॉक समिति बनाने के बारे में सोच रहे हैं क्योंकि हर दूसरे दिन शिकायत आती है। एक बॉडी होना मददगार होगा क्योंकि इस समय हम लॉकडाउन में हैं और इस समय सही सेटआप संभव नहीं है। लेकिन डीडीसीए के निदेशक संजय भारद्वाज का मानना है कि अध्यक्ष के इस्तीफे के बाद और सचिव के जेल में होने के कारण जो पद खाली पड़े हैं उनके लिए दोबारा चुनाव होने चाहिए। संजय ने आईएएनएस से कहा, देखिए ईमानदारी से कहूं तो हम दोबारा चुनाव चाहते हैं। मैंने यह बाद लोकपाल के ध्यान में भी ला दी है। मैंने न्यायाधीश दीपक शर्मा (सेवानिवृत्त) से भी बात कर ली है और उन्होंने कहा कि वह बीसीसीआई से इस पर बात करेंगे। चूंकि अध्यक्ष नहीं है, तो उनके स्थान की पूर्ति योग्य उम्मीदवार की नियुक्ति से करनी चाहिए। ऐसे उम्मीदवार से जो संघ को पारदर्शिता से चलाने मे मदद करे। मुझे जब भी लगा मैंने हर मामला लोकपाल के ध्यान में लाने की कोशिश की है। डीडीसीए में चीजें तब और बदल गईं, जब सचिव तिहारा ने बताया कि वह कोरोनावायरस के लक्षणों के कारण एकांतवास में हैं, जबकि वह पुलिस हिरासत में थे। नोएडा पुलिस ने उन्हें 17 मार्च को पकड़ा था।

फेडरर, नडाल, जोकोविच ने नस्लभेद के खिलाफ बुलंद की आवाज

वाशिंगटन

अमेरिका में अफ्रीकी मूल के अमेरिकी नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद खेल जगत में नस्लभेद का मुद्दा उठ गया है और इसी कड़ी में टेनिस के तीन महान खिलाड़ी स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर, स्पेन के राफेल नडाल और सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने इसके खिलाफ आवाज बुलंद की है। फ्लॉयड की मौत गत 25 मई को पुलिस हिरासत में हुई थी जिसके बाद से ही अमेरिका में प्रदर्शन हो रहे हैं जो लगातार हिंसक होते जा रहे हैं। विश्व नंबर एक जोकोविच ने अपने ट्विटर और इंस्टाग्राम पर 'ब्लैक लाइव्स मैटर' नाम का संदेश लिख स्क्रीनशॉट शेयर किया। इससे पहले फेडरर और नडाल ने भी नस्लभेद के खिलाफ अपना विरोध जताया। ग्रैंड स्लेम विजेता रुस की मारिया शारापोवा, पेत्रा क्वितोवा और स्टेनिस्लास वावरिंका सहित अन्य टेनिस खिलाड़ियों ने भी नस्लभेद के खिलाफ आवाज बुलंद की है। जापान की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने भी फ्लॉयड की मौत पर दुख व्यक्त किया और नस्लभेद के खिलाफ आवाज बुलंद की थी।

गोल्फ से अर्जुन पुरस्कार के लिये राशिद, अदिति और दीक्षा का नामांकन

नयी दिल्ली,

गोल्फर राशिद खान, अदिति अशोक और दीक्षा डागर के नाम की सिफारिश राष्ट्रीय महासंघ ने इस साल अर्जुन पुरस्कार के लिये की है। राशिद विश्व रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर काबिज भारतीय गोल्फर हैं जबकि 2016 रियो ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली अदिति देश की एकमात्र गोल्फर हैं जो इस समय अमेरिका में लेडीज पीजीए टूर में खेल रही हैं। उन्होंने लेडीज यूरोपीय टूर में तीन जीत हासिल की हैं। दीक्षा ने महिलाओं का साउथ अफ्रीकन ओपन खिताब जीता था और 2017 डेफलिम्पिक्स में रजत पदक जीतने वाली इस गोल्फर का तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करना सुनिश्चित था लेकिन ये स्थगित हो गये। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने उनके नाम की सिफारिश की। पेशेवर संस्थायें - भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) और भारतीय महिला गोल्फ संघ (डब्ल्यूजीएआई) अकसर अपनी सिफारिश किये गये नाम आईजीयू को भेजते हैं। अगर कोविड-19 महामारी नहीं होती तो इन सभी के तोक्यो ओलंपिक टीम में जगह बनाने की उम्मीद थी। राशिद 2010 में ग्वांग्झू एशियाई खेलों में एक शॉट से व्यक्तिगत कांस्य पदक से चूक गये थे लेकिन उन्होंने भारतीय टीम को रजत पदक दिलाने में मदद की। वह एशिया में 10वें स्थान से सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले भारतीय गोल्फर हैं और वह विश्व रैंकिंग में भी 185वें स्थान से शीर्ष भारतीय हैं।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी खिलाड़ियों ने शुरु की ट्रेनिंग

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम के संभावित खिलाड़ियों ने सरकार के दिशा-निर्देशों के पालन के साथ बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के शिविर में ट्रेनिंग शुरु कर दी है। हॉकी इंडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। कोरोना वायरस के कारण देशभर में लगे लॉकडाउन के बीच खेल गतिविधियां स्थगित कर दी गयी थीं और खिलाड़ी ट्रेनिंग भी नहीं कर पा रहे थे।

हॉकी इंडिया ने बयान जारी कर कहा, 'बेंगलुरु स्थित साई के शिविर में पुरुष और महिला हॉकी संभावित खिलाड़ियों ने एक जून से सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करके ट्रेनिंग शुरु कर दी है। साई ने आश्वासन दिया है कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार के निर्देशों का पालन किया जा रहा है। सभी खिलाड़ियों को इस बारे में जानकारी दी गई है और उन्हें दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया है।' बयान में कहा गया है, 'चूंकि खिलाड़ी दो महीने के अंतराल के बाद मैदान पर उतरे हैं इसलिए उन्हें सीमित समय तक ट्रेनिंग की इजाजत दी गयी है और खिलाड़ियों को चोटिल होने से बचने के लिए शुरुआती तौर पर बुनियादी खेल गतिविधियां ही शुरु की हैं। नए हालात के अनुसार कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों को मानदंड के मुताबिक खुद को ढालने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए रोजाना कार्यक्रम जारी कर रहे हैं।'

संक्षिप्त समाचार

अर्जुन अवार्ड के लिए नामांकन बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा : हरमनप्रीत

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को हॉकी इंडिया (एचआई) ने अजुर्न अवार्ड के लिए नामांकित किया है। हरमनप्रीत ने कहा है कि उनके लिए इस अवार्ड के लिए नामांकित होना सम्मान की बात है। उन्होंने साथ ही कहा है कि इससे वह आने वाले दिनों में अच्छा करने को प्रेरित होंगे। हरमनप्रीत ने कहा, मैं इस खबर को सुनकर काफी खुश था। अजुर्न अवार्ड के लिए नामांकित होकर मैं काफी खुशी महसूस कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि नामांकन मुझे आने वाले दिनों में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। हरमनप्रीत के अलावा भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी वंदना कटारिया और मोनिका को भी इस अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। इन सभी के अलावा महिला टीम की कप्तान रानी रामाल को खेल रत्न के लिए नामांकित किया गया है। हरमनप्रीत ने कहा, हम सभी को हॉकी इंडिया से शानदार समर्थन मिलता आ रहा है और मैं इस बात को सुनकर काफी खुश हूं कि रानी को राजीव गांधी खेल रत्न के लिए और वंदना तथा मोनिका को अर्जुन अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। इन सभी ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। मैं इन सभी को बधाइयां देना चाहता हूं।

नौकरी के इंटरव्यू की तरह नहीं हैं कप्तानी : डीन एल्गर

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी खिलाड़ी डीन एल्गर का मानना है कि कप्तानी देने का फैसला शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया जाता है और यह नौकरी के इंटरव्यू की तरह नहीं है कि इसके लिए खिलाड़ियों को अर्जी देनी होगी। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट टीम के कप्तान का पद फाफ डु प्लेसिस के इस्तीफा देने के बाद से खाली पड़ा है और इस पद के लिए कई खिलाड़ी लाइन में हैं। एडिन मार्करम और केशव महाराज ने इस रेस में आपने आप को शामिल किया है, लेकिन एल्गर को लगता है कि लोगों को इस दबाव वाले पद के लिए खुद से हाथ खड़े नहीं करने चाहिए। एल्गर ने वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, कप्तानी ऐसे नहीं है कि आप नौकरी के इंटरव्यू के लिए जा रहे हो जहां आपके हाथ में सीवी हो। उन्होंने कहा, आप इसके लिए हाथ नहीं उठाते। यह किसी और द्वारा तय किया जाता है और वही लोग सोचते हैं कि इसके लिए कौन सबसे उपयुक्त व्यक्ति है। खिलाड़ियों में आत्मविश्वास होना अच्छा है लेकिन जब आप ऐसा करते हो तो आप अपने आप क अलग स्थिति में ला देते हो।

रॉबिन उथप्पा का छलका दर्द, बोले- डिप्रेशन के चलते मन करता था बालकनी से कूद जाऊं

स्पोर्ट्स डेस्क।

2007 में टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाने वाले टीम इंडिया के पूर्व स्टार क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने खुलासा करते हुए कहा कि अपने करियर में वह साल 2009 से 2011 के बीच डिप्रेशन और आत्महत्या के ख्यालों से जूझते रहे हैं। जिसके कारण वह अपनी बालकनी से छलांग लगाने की सोच रहे थे। बता दें, उथप्पा अब 34 साल के हैं और उन्होंने भारत की तरफ से आखिरी मैच 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था।

उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भी जाना जाता है। दरअसल, राजस्थान रॉयल्स के एक कार्यक्रम में उथप्पा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'मैं उन दिनों में इधर-उधर बैठकर यही सोचता रहता था कि मैं दौड़कर जाऊं और बालकनी से कूद जाऊं। लेकिन किसी चीज ने मुझे रोके रखा।' उथप्पा ने कहा कि इस समय उन्होंने डायरी लिखना शुरू किया। उन्होंने कहा, 'मैंने एक इंसान के तौर पर खुद को समझने की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद बाहरी मदद ली ताकि अपने जीवन में बदलाव ला सकूं।'

उथप्पा ने आगे कहा, 'जब मैंने साल 2006 में अपना डेब्यू किया तो अपने बारे में इतना नहीं जानता था, तब काफी चीजों को सीख रहा था और सुधार करता जा रहा था। अब मैं अपने बारे में काफी ज्यादा जानकारी रखता हूं और अपने विचारों के साथ खुद को लेकर काफी पक्का हूं।

अब खुदको संभालना मेरे लिए आसान है अगर कहीं फिसल जाता हूं।' इसके बाद वह दौर था जब ऑस्ट्रेलिया में भारत-ए की कप्तानी के बावजूद वह भारतीय टीम में नहीं चुने गए। उन्होंने कहा, 'पता नहीं क्यों, मैं कितनी भी मेहनत कर रहा था लेकिन रन नहीं बन रहे थे।मैं यह मानने को तैयार नहीं था कि मेरे साथ कोई समस्या है। हम कई बार स्वीकार नहीं करना चाहते कि कोई मानसिक परेशानी है।' इसके बाद 2014-15 रणजी सत्र में उथप्पा ने सर्वाधिक रन बनाए। उथप्पा ने भारत की तरफ से 46 वनडे और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

जॉर्ज फ्लॉयड के समर्थन के लिए खिलाड़ियों को सजा नहीं देगा जर्मनी

फ्रैंकफर्ट।

जर्मन सॉकर महासंघ (डीएफबी) ने कहा है कि वे जॉर्ज फ्लॉयड को मारने और नस्लवाद के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सजा नहीं देगा। अमेरिका के मिनियापोलिस में एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने 25 मई को फ्लॉयड का हाथ बांधने के बाद अपने घुटने से कई मिनटों तक उसका गला दबाये रखा था जिसके उसकी मौत हो गई थी। इस घटना के खिलाफ जर्मनी में कई खिलाड़ियों ने इशारे किए या फिर अपने कपड़ों पर संदेश लिखे। महासंघ ने हालांकि बुधवार को कहा है कि वे किसी भी खिलाड़ी को सजा देने का विरोध करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि उनके नस्लवाद विरोधी संदेश महासंघ के स्वयं के सिद्धांतों से मेल खाते हैं। महासंघ के अध्यक्ष फ्रिट्ज केलेर ने बयान में कहा, 'डीएफबी ने किसी भी तरह के नस्लवाद, भेदभाव या हिंसा के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और सहिष्णुता, खुलापन और विविधता के साथ खड़ा रहा है, ये सिद्धांत डीएफबी के नियमों में भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'इसलिए खिलाड़ियों के कदम को हमारा सम्मान हासिल है। इस बयान में चार खिलाड़ियों का नाम है जिन्होंने पिछले सप्ताहांत मैचों के दौरान नस्लवाद का विरोध किया था और फ्लॉयड को न्याय दिलाने का समर्थन किया था। ये खिलाड़ी अचरफ हकीमी, जेडन सेंचो, वेस्टन मैककीनी और मार्कस थुराम शामिल थे। साथ ही साफ किया गया कि भविष्य के विरोधों के प्रति भी यही रवैया रहेगा। जर्मनी के रुख को खेल की वैश्विक संस्था फीफा का भी समर्थन हासिल है जिसने मंगलवार को कहा था कि ऐसा विरोध सराहना का हकदार है, सजा का नहीं।

कोविड-19 के कारण हैदराबाद ओपन रद्द, बीडब्ल्यूएफ ने की पुष्टि

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कोविड-19 के कारण हैदराबाद ओपन को रद्द करने का फैसला लिया है। महासंघ ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी। यह टूर्नामेंट हालांकि बीडब्ल्यूएफ द्वारा जारी किए गए बदले हुए कार्यक्रम का हिस्सा था और इसे 11 से 16 अगस्त के बीच आयोजित किया जाना था। महासंघ की आधिकारिक वेबसाइट पर महासचिव थॉमस लैंड के हवाले से लिखा है, कुछ देशों में स्थितियां बदल रही हैं और बदलती रहेंगी। इसलिए जब जरूरत पड़ेगी बीडब्लयूएफ टूर्नामेंट के बारे में जानकारी दे देगा। उन्होंने कहा, जो बदलाव आज बताए गए हैं वो जरूरी थे, लेकिन इनका सीधे तौर पर बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट कैलेंडर-2020 पर असर नहीं पड़ेगा जो बैडमिंटन की वापसी को ध्यान में रखकर बनाया गया है। हैदराबाद ओपन के अलावा आस्ट्रेलियन ओपन, कोरिया मास्टर्स को भी रद्द कर दिया गया है। वहीं जर्मन ओपन, स्विस ओपन और यूरोपियन मास्टर्स को स्थगित ही रखा गया है और बीडब्ल्यूएफ ने कहा है कि वह इन टूर्नामेंट्स पर फैसला आने वाले समय में लेगी।

मलिंगा विश्व में सर्वश्रेष्ठ यॉर्कर गेंदबाज : बुमराह

नई दिल्ली।

यॉर्करमैन के नाम से मशहूर भारतीय तेज गेंदबाज जपसप्रीत बुमराह ने श्रीलंका के अनुभवी तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को विश्व में सर्वश्रेष्ठ यॉर्कर गेंदबाज बताया है। मलिंगा और बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हैं। मुंबई इंडियंस ने एक ट्वीट किया है, जिसमें बुमराह ने कहा है, मलिंगा विश्व में सर्वश्रेष्ठ यॉर्कर गेंदबाज हैं और वे अपने फायदे के लिए काफी लंबे समय से इसका इस्तेमाल करते आ रहे हैं। बुमराह ने इससे पहले कहा था कि कोविड-19 महामारी के बीच फिर से वैश्विक क्रिकेट शुरू होने के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को गेंद को चमकाने के लिए लार का विकल्प तलाशना चाहिए। कोविड-19 के बाद क्रिकेट में कई सारे बदलाव देखने को मिलेंगे और उनमें से एक बदलाव यह भी है कि कोरोनावायरस महमारी को फैलने से रोकने के लिए गेंद को चमकाने के लिए उस पर लगाए जाने वाली लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। बुमराह ने आईसीसी की वीडियो सीरीज इनसाइड आउट में इयान बिशप और शॉन पोलाक से साथ बातचीत के दौरान कहा था, मैं वैसे भी मैदान पर गले लगने या हाई-फाइव करने वालों में से नहीं हूं तो मुझे इसे लेकर ज्यादा परेशानी नहीं होगी। लेकिन मेरे लिए लार के इस्तेमाल की थोड़ी कमी महसूस होगी। उन्होंने कहा था, मुझे नहीं पता कि खेल बहाल होने के बाद क्या दिशानिर्देश होंगे, लेकिन मेरा मानना है कि इसका विकल्प होना चाहिए।

गेंद पर लार का इस्तेमाल नहीं होने से गेंदबाजों के लिए काफी मुश्किल होगी। बुमराह ने कहा था, मैदान छोटे होते जा रहे हैं और विकेट भी सपाट हो रहे हैं। इसलिए हमें गेंद की चमक बनाए रखने के लिए विकल्प की जरूरत है, ताकि स्विंग या रिवर्स स्विंग मिल सके।

फ्लॉयड के निधन बाद सेरेना का समानता पर दिया गया बयान सोशल मीडिया पर वायरल

लास एंजिल्स । अमेरिका में अश्वेत शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। ऐसे में महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का पिछले साल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह पूरी जिंदगी समानता के लिए लड़ेंगी। 46 साल के फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। डैरेक शोविन नामक पुलिस अधिकारी का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह फ्लॉयड की गर्दन को अपने घुटने से दबाए हुए था और फ्लॉयड कह रहा था कि उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही है।जुलाई 2019 में बिली जीन किंग ने कहा था कि सेरेना को टेनिस पर ध्यान देना चाहिए और सेलिब्रिटी की तरह व्यवहार करना बंद कर देना चाहिए और समानता के लिए लड़ना बंद कर देना चाहिए। सेरेना ने इसका जवाब देते हुए कहा था, जिस दिन मैं समानता और उन लोगों के लिए जो मेरी तरह दिखते हैं उनके लिए लड़ाई बंद कर दूंगी उस दिन मैं अपनी कब्र में होऊंगी। नाउ दिस नामक एक ट्विटर हैंडल ने सेरेना का वह वीडियो शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, सेरेना का संदेश उन लोगों के लिए जो सोचते हैं कि उन्हें सिर्फ टेनिस पर ध्यान देना चाहिए और समानता के लिए लड़ना बंद कर देना चाहिए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तमिलनाडु में कोरोना के 1384 नए मामले, 12 और लोगों की जान गई

चेन्नई। तमिलनाडु में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के सर्वाधिक 1,384 नये मामले सामने आये जिससे राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 27,256 हो गई। इसके अलावा इस संक्रमण से 12 और लोगों की मौत हो गई जिसके बाद राज्य में इस संक्रमण से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 220 पहुंच गया। स्वास्थ्य विभाग के एक बुलेटिन में कहा गया है कि नए मामलों में से 1,072 अकेले चेन्नई में सामने आये हैं जिसके बाद चेन्नई में कुल मामले बढ़कर 18,693 हो गए। राजधानी में एक दिन में सामने आने वाला यह सर्वाधिक आंकड़ा है। बृहस्पतिवार को कुल 16,447 नमूनों की जांच की गई जो एक दिन में होने वाली सर्वाधिक जांच संख्या है। बृहस्पतिवार को 585 लोगों को ठीक होने के बाद विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। राज्य में अब तक कुल 14,901 लोग इस संक्रमण से उबर चुके हैं जबकि 12,132 लोग अब भी उपचाराधीन हैं। नये मामलों में से 10 अन्य राज्यों से लौटे व्यक्तियों के हैं जबकि एक व्यक्ति कुवैत से लौटकर आया है।

रेलवे ने लॉकडाउन के दौरान बुक टिकट के लिए यात्रियों को 1885 करोड़ रुपये लौटाया

नयी दिल्ली। रेलवे ने कहा है कि लॉकडाउन की अवधि में बुक किए गए टिकट को रद्द करने के एवज में यात्रियों को 1885 करोड़ रुपये वापस कर दिया गया है। रेलवे ने कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान अपनी नियमित यात्री ट्रेन सेवा रद्द कर दी थी। रेलवे ने कहा है, ''सारी ट्रेनों को रद्द किए जाने के कारण रेलवे के समक्ष यात्रियों को भारी मात्रा में राशि वापस करने की चुनौती थी।'' रेलवे ने कहा है, ''रेलवे ने 21 मार्च से 31 मई के बीच ऑनलाइन तरीके से बुक टिकट के एवज में रद्द टिकटों के लिए 1885 करोड़ रुपये यात्रियों को वापस कर दिया है।'' रेलवे के अनुसार टिकट खरीदने में लगी समस्त राशि लौटा दी गयी है। रेलवे ने कहा है कि टिकट बुक करते समय जिस खाते से भुगतान हुआ था, वहां पर राशि भेज दी गयी है। रेलवे के कदम से यात्रियों को समय पर अपनी राशि का भुगतान हो गया है और अपनी रकम के लिए पीआरएस काउंटर जाने से बचना पड़ गया।

त्रिपुरा में कोरोना संक्रमण के 102 नए मामले, अबतक 622 व्यक्ति संक्रमित

अगरतला। त्रिपुरा में कम से कम 102 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके बाद, राज्य में जानलेवा वायरस के मामलों की संख्या 622 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल 173 मरीज संक्रमण से ठीक हो चुके हैं जबकि 499 लोग कोविड-19 का उपचार करा रहे हैं। सभी संक्रमितों का यहां जीबी पंत अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने कहा कि 728 नमूनों की आज जांच की गई और 102 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। अधिकतर लोगों ने अन्यत्र की यात्रा की थीऔर वे संक्रमित लोगों के संपर्क में आए थे। सरकार ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि राज्य में अब तक 35,254 लोगों को 14 दिन के पृथकवास में भेजा गया है। बयान में बताया गया है कि फिलहाल, 13,267 लोगों को घर में ही निगरानी में रखा गया है। बयान में बताया गया है कि त्रिपुरा में बृहस्पतिवार तक कुल 30,481 नमूनों की जांच की गई है।

गर्भवती हथिनी की मौत पर बोले रवि किशन, दोषी को गिरफ्तार करके फांसी पर लटकाया जाए

गोरखपुर। गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने केरल में एक मादा हथिनी की पटाखों भरा अनानास खिलाये जाने से हुई मौत को निर्मम हत्या करार देते हुए इस वारदात के दोषी को फांसी देने की बृहस्पतिवार को मांग की। किशन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केरल के मलप्पुरम में किसी व्यक्ति ने एक गर्भवती हथिनी को पटाखों से भरा अनानास खिलाकर मार डाला। उन्होंने कहा कि यह उस निर्दोष जानवर की निर्मम हत्या है, जो अपने गुनहगार के बारे में कुछ बता भी नहीं सकता था। उन्होंने कहा कि यह अमानवीय, बर्बरतापूर्ण और घिनौनी हरकत है। कोई किसी जानवर के साथ ऐसा कैसे कर सकता है। मैं केरल सरकार से मांग करता हूं कि वह दोषी को गिरफ्तार करके फांसी पर लटकाये। किशन ने कहा कि उन्होंने केरल में अपनी दो फिल्मों की शूटिंग की है और इस दौरान मिले अनुभवों के चलते उन्हें हाथियों से विशेष प्रेम है।

मिजोरम में कोविड-19 से तीन महिलाएं संक्रमित, संक्रमण के मामले बढ़कर 17 हुए

आइजोल। हाल ही में मिजोरम लौटीं तीन महिलाएं बृहस्पतिवार को जानलेवा कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गईं। इसी के साथ राज्य में कोविड-19 के मामलों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता पी लालमलसवमा ने बताया कि तीन अलग अलग जिलों की, क्रमश- 19, 22 और 49 वर्षीय तीन महिलाएं बृहस्पतिवार को सुबह कोविड-19 से संक्रमित पाई गईं। उन्होंने कहा कि तीनों नए मरीज संस्थागत पृथकवास केंद्र से सामने आए हैं। प्रवक्ता ने यह नहीं बताया कि ये महिलाएं पहले कहां कहां गई थीं, क्योंकि इससे राज्य आने वाले लोगों में दहशत फैलने की आशंका है। सोमवार रात को दिल्ली और कोलकाता से लौटे कम से कम 12 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। राज्य में फिलहाल कोविड-19 से संक्रमित 16 मरीज अपना इलाज करा रहे हैं जबकि नौ मई को एक मरीज के ठीक होने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामले चिंताजनक, हर्षवर्धन ने जांच बढ़ाने और सघन निगरानी पर जोर देने को कहा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 संक्रमण और उससे मृत्यु के बढ़ते मामलों के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बृहस्पतिवार को जांच बढ़ाने, सघन निगरानी रखने, संपर्कों का पता लगाने तथा निषिद्ध क्षेत्रों में कड़ाई से नियमों का पालन करने पर जोर दिया। हर्षवर्धन ने दिल्ली में नोवेल कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा के लिए बृहस्पतिवार को वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिये उच्च स्तरीय बैठक की और राष्ट्रीय राजधानी के सभी जिलों में कोविड-19 की उच्च संक्रमण दर और अनेक जिलों में कम जांच स्तर पर चिंता प्रकट की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक कोविड-19 से मौत के 606 और संक्रमण के 23,645 मामले सामने आए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान में हर्षवर्धन के हवाले से कहा गया, ''अनेक जिलों में बढ़ते मामले, संक्रमण की अधिक पुष्टि दर और कम जांच स्तर चिंताजनक हैं।'' दिल्ली में प्रति दस लाख आबादी पर जांच नमूनों की औसत संख्या 2018 है, वहीं उत्तर पूर्व तथा दक्षिण पूर्व दिल्ली जैसे कुछ जिलों में यह बहुत कम है और क्रमशः औसतन 517 नमूने और 506 नमूने प्रति दस लाख आबादी है। हर्षवर्धन ने एक बयान में कहा कि दिल्ली में पिछले सप्ताह संक्रमण की पुष्टि दर 25.7 प्रतिशत थी, वहीं अनेक जिलों में यह आंकड़ा 38 प्रतिशत से ऊपर है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों में संक्रमण की उच्च दर भी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ''यह दिखाता है कि स्वास्थ्य केंद्रों में संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण चिंताजनक है और इस पर प्राथमिकता से ध्यान देने की जरूरत है।''

हर्षवर्धन ने स्वास्थ्य ढांचा मजबूत करने के साथ ही जांच क्षमता बढ़ाने के महत्व और इसकी तत्काल जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने मामलों के प्रभावी तरीके से प्रबंधन तथा मृत्युदर कम करने के लिए कोविड-19 के बेहतर क्लीनिकल प्रबंधन की भी आवश्यकता बताई। बैठक में दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी भाग लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए बिस्तरों की उपलब्धता बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोगियों को भर्ती करने में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। हर्षवर्धन ने कहा, ''यह सामूहिक लड़ाई है और हम यहां दिल्ली के प्रयासों का समर्थन करने के लिए हैं।'' बैठक में जिला मजिस्ट्रेटों और नगर निगमों के अधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्रों में संक्रमण की रोकथाम के लिए उठाये जा रहे कदमों की जानकारी दी।

भाजपा सांसद का बयान, प्रवासी मजदूरों की बदहाली के लिए इंदिरा गांधी जिम्मेदार

बलिया (उप्र)। भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने प्रवासी मजदूरों की बदतर स्थिति का ठीकरा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर फोड़ते हुए कहा कि अगर इंदिरा ने दत्तोपंत ठेंगड़ी का फार्मूला मान लिया होता तो मजदूरों की ऐसी हालत नहीं होती। सिंह ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बातचीत में प्रवासी मजदूरों की बदतर स्थिति के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा '' वर्ष 1971 में बैंकों तथा उद्योगों का राष्ट्रीयकरण करते समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा ने हमारे नेता दत्तोपंत ठेंगड़ी के फार्मूले को मान लिया होता और उद्योगों तथा बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने के बजाय उद्योगों का मजदूरीकरण, मजदूरों का राष्ट्रीयकरण तथा राष्ट्र का औद्योगिकीकरण कर दिया होता तो आज देश के सामने प्रवासी कामगारों के पलायन के हालात पैदा ही नहीं होते।'' ठेंगड़ी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक और स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक थे। बलिया से भाजपा सांसद ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने देश की संसद तथा राज्यों के विधान मंडलों से संशोधित नागरिकता विधेयक पारित करा दिया है। देश में पहली बार मोदी सरकार ने यह स्थापित किया है कि कोई सरकार अपने घोषणा पत्र के अनुसार काम कर रही है। उन्होंने कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करने और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ करने को भी मोदी सरकार की अहम उपलब्धि करार दिया।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में भारत-ऑस्ट्रेलिया एक साथ, अनुसंधान सहयोग बढ़ाने का व्यक्त किया संकल्प

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया ताकि कोविड-19 के खिलाफ राष्ट्रीय प्रतिक्रिया और महामारी से निपटने के लिये नवोन्मेषी समाधान को बढ़ावा दिया जा सके। दोनों देशों ने कोरोना वायरस से निपटने के लिये साथ आने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के बीच आनलाइन शिखर सम्मेलन के दौरान व्यक्त किया। अपने शुरूआती संबोधन में मोदी ने महामारी के आर्थिक और सामाजिक दुष्प्रभावों से दुनिया को जल्दी बाहर निकालने के लिये एक समन्वित एवं एकजुट पहल की वकालत की। उन्होंने कहा, '' वैश्विक महामारी के इस काल में हमारे समग्र सामरिक गठजोड़ की भूमिका और महत्वपूर्ण रहेगी। विश्व को इस महामारी के आर्थिक और सामाजिक दुष्प्रभावों से जल्दी निकलने के लिए एक समन्वित और एकजुट पहल की आवश्यकता है। '' मोदी ने कहा, ''हमारी सरकार ने इस संकट को एक अवसर की तरह देखने का निर्णय लिया है। भारत में लगभग सभी क्षेत्रों में व्यापक सुधार की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। बहुत जल्द ही जमीनी स्तर पर इसके परिणाम देखने को मिलेंगे।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''इस कठिन समय में आपने ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय का, और ख़ास तौर पर भारतीय छात्रों का, जिस तरह ध्यान रखा है, उसके लिए मैं विशेष रूप से आभारी हूँ।'' मोदी ने आस्ट्रेलिया में कोविड-19 के कारण प्रभावित लोगों और परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि इस महामारी ने दुनिया में सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को प्रभावित किया है। मोदी-मॉरिसन वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत और आस्ट्रेलिया कोविड-19 के आर्थिक प्रभावों से निपटने और लोगों की जान बचाने में वैश्विक सहयोग के महत्व और भविष्य में आने वाली वैश्विक चुनौतियों को समझता है। बयान के अनुसार, '' हम वैज्ञानिक और चिकित्सा अनुसंधान एवं विकास तथा स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को मजबूत बनाने से जुड़े लाभों को साझा करेंगे तथा कोविड-19 के संबंध में अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के स्वतंत्र एवं समग्र मूल्यांकन की सिफारिशों को वैश्विक महामारी रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को बेहतर बनाने पर बल देंगे। '' इसमें कहा गया है कि भारत और आस्ट्रेलिया ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया ताकि कोविड-19 के खिलाफ राष्ट्रीय प्रतिक्रिया को बढ़ावा दिया जा सके। बयान में कहा गया है कि, '' हम कोविड-19 के उपचार और इसके लिये नवोन्मेषी समाधान को बढ़ावा देने के लिये आस्ट्रेलिया-भारत सामरिक शोध कोष के नये चरण के लिये प्रतिबद्ध हैं।''

गुजरात में कांग्रेस विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' कर रही है भाजपा: अशोक गहलोत

जयपुर। राज्यसभा चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस के दो विधायकों के इस्तीफा देने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त करने का आरोप लगाया। गहलोत ने ट्वीट किया, ''राज्यसभा चुनाव से गुजरात में भाजपा एक बार फिर अपना चिर परिचित हथकंडा विधायकों की खरीद-फरोख्त अपना रही है।''

उन्होंने लिखा है, ''राज्य में सीटें जीतने के लिए वह कुछ भी कर सकती है। राज्य में सीट जीतने के लिए साम, दाम, दंड, भेद से विपक्षी विधायकों को रिझाना ही (भाजपा) पार्टी की एकमात्र योजना है।'' राज्यसभा चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस के दो विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है। राज्य से राज्यसभा की चार सीटों के लिए 19 जून को चुनाव होने हैं।

कोरोना संक्रमित की मृत्यु पर आश्रित को एक लाख रुपए की सहायता दी जाएगी: त्रिवेंद्र सिंह रावत

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य के कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके आश्रित को एक लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। यहां वीडियो कांफ्रेंस के जरिए प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि प्रदेश के संक्रमित व्यक्ति की मृत्यु पर उसके आश्रित को एक लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार तथा रविवार दो दिन देहरादून में पूर्ण बंद कर सेनिटाइजेशन कराया जाएगा। उन्होंने देहरादून की निरंजनपुर सब्जी मंडी में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को देखते हुए उसे बंद कर वैकल्पिक व्यवस्था करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। कोविड-19 से लड़ाई में जन सहयोग को बहुत जरूरी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें लोगों को साथ लेकर यह लडाई लड़नी है और इसमें सख्ती और जागरूकता हमारे दो प्रमुख अस्त्र हैं।'' उन्होंने निरूद्ध क्षेत्रों के साथ ही उसके बाहर भी सामाजिक दूरी, मास्क की अनिवार्यता आदि के पालन के लिए लोगों को लगातार जागरूक करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसका पालन न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक में रावत ने पृथक केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही उनकी आकस्मिक जांच करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने गांवों में पृथक केन्द्रों पर विशेष ध्यान देने तथा इसके लिए ग्राम प्रधानों को धनराशि देने को भी कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें त्वरित रोजगार और आजीविका सृजन के लिए खेती, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य क्षेत्रों को प्राथमिकता देनी होगी और उन्होंने हाल में केंद्र सरकार द्वारा लिए गये महत्वपूर्ण निर्णयों का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों से कार्ययोजना बनाने को कहा। इसी प्रकार, हाल में शुरू की गयी मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से युवाओं को लाभान्वित कराना हर जिलाधिकारी का लक्ष्य होना चाहिए।'' बैठक में मौजूद मुख्य सचिव उत्पल कुमार सिंह ने कोरोना वायरस की जांच में वृद्धि करने तथा संपर्कों को तलाशने पर विशेष ध्यान देने को कहा। स्वास्थ्य सचिव अमित नेगी ने बताया कि कोविड-19 की चुनौती से निपटने के लिए बजट की कोई कमी नहीं है और प्रदेश में कुल 686 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया जा चुका है। इस बीच, उत्तराखंड के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमित दो और मरीजों की मौत हो गयी तथा 60 नए मामले सामने आये है।

मोदी 2 के एक साल पूरा होने पर राजस्थान में कई वर्चुअल रैलियां करेगी भाजपा

जयपुर। (एजेंसी)।

केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में कई वर्चुअल रैलियों का आयोजन करेगी। इन रैलियों के लिए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को प्रभारी बनाया गया है और ऐसी पहली रैली 14 जून को होगी। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनियां ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोदी2.0 की एक वर्ष की उपलब्धियों से जनता को अवगत कराने के लिए 30 जून तक अभियान चलेगा।

पूनियां ने कहा कि पार्टी राज्य में वर्चअल रैलियां करेगी और इस दौरान डिजिटल तकनीक के माध्यम से हजारों लोग हमसे जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी के केंद्रीय नेता इन रैलियों को संबोधित करेंगे और इनके आयोजन के लिए केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को प्रभारी बनाया गया है। पूनियां ने बताया कि जयपुर और भरतपुर सम्भाग की रैली 14 जून को, बीकानेर और जोधपुर सम्भाग की रैली 20 जून को जबकि उदयपुर, अजमेर और कोटा सम्भाग की रैली 27 जून को होगी। उन्होंने कहा कि पूनियां ने कहा की 15 से 25 जून तक राज्य की सभी 200 विधानसभाओं में भाजपा 400 वीडियो कॉफ्रेंस करेगी, जिनमें हजारों की संख्या में कार्यकर्ता जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बूथ पर अभियान चला कर वाट्सएप ग्रुप बनाया जा रहा है और इसके लिए विधायक रामलाल शर्मा को प्रभारी बनाया गया है।

पूनियां ने कहा की पार्टी की सभी इकाइयां एक से सात जून तक सेवा कार्य के तहत मास्क और सेनेटाइजर वितरण का अभियान चला रही हैं, लोगों को दो गज की दूरी का महत्व समझा रही हैं। इस अभियान के लिए सांसद सी.पी. जोशी और सांसद दीया कुमारी को प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान 15 जून तक पार्टी राज्य, सम्भाग और जिला स्तर पर प्रेस वार्ता करेगी जिसकी निगरानी और विषयों के चयन की जिम्मेदारी केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के पास रहेगी, जबकि प्रेस वार्ता से जुड़ी तैयारियों की जिम्मेदारी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर अरुण चतुर्वेदी की होगी।

तबलीगी जमात के 2,550 सदस्यों को सरकार ने काली सूची में डाला, 10 साल भारत में प्रवेश पर पाबंदी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सख्त कार्रवाई करते हुए तबलीगी जमात के 2,550 सदस्यों को काली सूची में डाल दिया है। ये लोग 40 देशों से हैं, जो राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान भारत में ठहरे हुए थे और वीजा नियमों का उल्लंघन कर धार्मिक गतिविधियों में शामिल थे। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों को 10 साल तक भारत में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। शायद यह पहला मौका है, जब सरकार ने एक झटके में इतनी अधिक संख्या में लोगों को काली सूची में डाला है और विदेशी (नागरिक) अधिनियम के तहत इतनी लंबी अवधि के लिये भारत में उनके प्रवेश पर पाबंदी लगाई है। विभिन्न राज्य सरकारों ने मस्जिदों और मदरसों में विदेशियों के अवैध रूप से ठहरे होने का ब्योरा उपलब्ध कराया था, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने यह कार्रवाई की है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, '' गृह मंत्रालय ने तबलीगी जमात के 2,550 सदस्यों को काली सूची में डाल दिया है और भारत में उनके 10 साल तक प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।''

अधिकारी ने कहा कि जमात के लगभग सभी सदस्य पर्यटक वीजा पर भारत आये थे, लेकिन वे धार्मिक गतिविधियों में शामिल थे। इस तरह वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया गया। इस इस्लामी संगठन से जुड़े 250 विदेशियों सहित 2,300 लोगों के, मार्च मेंराष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के शीघ्र बाद दक्षिण दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात के मरकज में ठहरे हुए पाये जाने के बाद,तबलीगी जमात के विदेशी सदस्यों के खिलाफ पहली बार कार्रवाई की गई। ये लोग मार्च में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के शीघ्र बाद दक्षिण दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात के मरकज में ठहरे हुए पाये गये थे। इनमें से कई लोगों की कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। गौरतलब है कि कोरोना वायरस महामारी को फैलने से रोकने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 मार्च से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। तबलीगी जमात के सदस्यों को देश के 20 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड-19 के एक हजार से अधिक मामले और दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत की वजह बनने के साथ-साथ कोरोना वायरस संक्रमण फैलाने के लिये जिम्मेदार ठहराया गया है।

काली सूची में डाले गये लोगों में करीब 40 देशों के नागरिक शामिल हैं। इनमेंअमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, रूस, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, म्यामां, श्रीलंका, किर्गिजिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, सऊदी अरब, कतर, ईरान, मिस्र दक्षिण अफ्रीका और अफ्रीकी महाद्वीप के कई देश शामिल हैं। सरकार ने भारत की यात्रा को इच्छुक और तबलीगी गतिविधियों में शामिल होने के लिये किसी विदेशी को पर्यटक वीजा नहीं जारी करने का पहले ही फैसला किया है। उनके भारत में अवैध रूप से ठहरने के बारे में पता चला चलने के बाद कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वीजा शर्तों के उल्लंघन को लेकर उन विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा था, जिन्होंने तबलीगी जमात की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लिया था। अप्रैल में मंत्रालय ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशकों तथा दिल्ली पुलिस आयुक्त को इस तरह के

उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। सीबीआई ने कथित संदिग्ध नकद लेन-देन और विदेशी चंदा प्राप्त करने की बात अधिकारियों से छिपाने को लेकर पिछले हफ्ते तबलीगी जमात के आयोजकों के खिलाफ एक प्राथमिक जांच दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस ने भी तबलीगी जमात और इसके पदाधिकारियों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। वहीं, संगठन के प्रमुख मौलाना साद की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

MP सरकार-शराब कारोबारी विवाद: जबलपुर HC ने ठेकेदारों को दिए दो विकल्प, करना होगा एक का चयन

जबलपुर. मध्य प्रदेश सरकार और शराब ठेकेदारों के बीच विवाद लगातार जारी है. शराब ठेकेदारों की याचिकाओं पर आज भी जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने अंतरिम आदेश दिया और शराब कारोबारियों के सामने दो विकल्प रखे, जिसमें से उन्हें एक का चयन करना होगा.

कोर्ट ने ठेकेदारों के सामने रखे दो विकल्प

जबलपुर हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि जिन ठेकेदारों को संशोधित शराब नीति मंजूर है, वे तीन दिन के अंदर शपथ पत्र दें. जिन्हें नई नीति पर ऐतराज है, उनपर सरकार कोई कार्रवाई नहीं करेगी. कोर्ट ने कहा कि ठेकेदारों को दोनों में से कोई एक विकल्प चुनना होगा.

आपको बता दें कि कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन में सरकार ने शराब की दुकानें खोलने की इजाजत नहीं दी थी. जिसकी वजह से उन्हें बड़ा नुकसान हुआ था. इसीलिए शराब ठेकेदारों ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर मांग की है कि उन्हें लाइसेंस फीस मे छूट दी जाए और बिक्री के आंकड़ों के आधार पर शुल्क लिया जाए.

कोर्ट ने दिया था समन्वय बनाने का आदेश

शराब ठेकेदारों का कहना है कि जबतक सरकार हमारी मांगे नहीं मानती, तब तक दुकानें नहीं खोली जाएगी. वहीं करोबारियों की इस जिद्द पर सरकार ने दुकानें सील करने का फैसला लिया था. जिसपर पिछली सुनवाई में कोर्ट ने ठेकेदारों को राहत देते हुए कहा था कि 6 जून तक कोई कार्रवाई ना की जाए.

कांग्रेस ने बिहार सरकार से क्वारंटाइन सेंटर के खर्च पर मांगा श्वेत पत्र, BJP ने दिया जवाब

पटना. बिहार सरकार की ओर से क्वारंटाइन सेंटर पर खर्च करने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है. कांग्रेस ने बिहार सरकार से मांग की है कि कोरोना को लेकर सरकार की ओर से खर्च की गई राशी पर श्वेत पत्र जारी किया जाए. बिहार सरकार की ओर से क्वारंटाइन सेंटर पर खर्च करने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है. कांग्रेस ने बिहार सरकार से मांग की है कि कोरोना को लेकर सरकार की ओर से खर्च की गई राशी पर श्वेत पत्र जारी किया जाए.

कांग्रेस प्रवक्ता हरखू झा ने कहा है कि विपक्ष ने सरकार को कोरोना संकट में हर संभव मदद किया है लेकिन जो अव्यवस्था सामने आई है उसके बाद सरकार को खर्च पर स्वेत पत्र जारी करना चाहिए. आरजेडी ने भी इस मामले पर बयान दिया है.आरजेडी प्रवक्ता शिवानंद तिवारी ने कहा है कि 24 लाख लोगों के लिए व्यवस्था करना बड़ी बात है. बिहार सरकार ने पैसे खर्च किये हैं लेकिन 16 आने का काम बिल्कुल सही हो जाएगा ये नहीं कहा जा सकता है. इतना जरूर है कि केंद्र सरकार ने बिहार सरकार को आर्थिक मदद नहीं की है. वहीं, बीजेपी ने इस मामले पर कांग्रेस पर हमला बोला है. कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमरंजन पटेल ने कहा है कि कांग्रेस कागजों तक ही सिमट गई है. कांग्रेस को काम देखना है तो जमीन पर जाए. हम प्रियंका गांधी की तरह नहीं जो कागजों पर दो पहिया और तीन पहिया वाहनों को बस बता दें.

यूपी कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना हुए होम क्वारंटाइन, अब हो रही है कोरोना वायरस की जांच

उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना के कोरोना सस्पेक्ट होने के बाद उनका सैंपल कोविड टेस्टिंग के लिए लिया गया है. कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना दो दिन पहले मेरठ मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड का दौरा करने गए थे.

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना के कोरोना सस्पेक्ट होने के बाद उनका सैंपल कोविड टेस्टिंग के लिए लिया गया है. कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना दो दिन पहले मेरठ मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड का दौरा करने गए थे. यहां पर उन्होंने जिन मरीजों से मुलाकात की थी, उनके कोरोना पॉजिटिव आने के बाद से सुरेश खन्ना होम क्वारंटाइन में हैं. अब उनका सैंपल कोरोना की जांच के लिए भेजा गया है.

होम क्वारंटाइन में हैं कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद सुरेश खन्ना लगातार प्रदेश के अलग-अलग मेडिकल कॉलेज का मुआयना कर रहे थे. 2 दिन पहले सुरेश खन्ना मेरठ मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड का जायज़ा लेने गए थे. यहां उन्होंने कुछ मरीजों से मुलाकात भी की थी और हाल-चाल पूछा था. बाद में वे सभी कोरोना पॉजिटिव निकले, तब से चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना होम क्वारंटीन में हैं.

बुधवार को मंत्री ने रद्द किए कार्यक्रम वहीं मेरठ से लौटने के बाद खन्ना मंगलवार शाम को मीटिंग के लिए जवाहर भवन के छठे तल पर स्थित चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय भी गए थे. जिससे वहां बुधवार को कर्मचारियों में हड़कंप मचा रहा. बुधवार को मंत्री सुरेश खन्ना ने कई कार्यक्रम रद्द कर दिए और खुद को होम क्वारंटीन करने का फैसला किया.

मध्य प्रदेश के 27 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी, मौसम विभाग ने जताई भारी बारिश की संभावना

मध्य प्रदेश के 27 जिलों में अधिक बारिश और कुछ जिलों में बहुत अधिक बारिश की चेतावनी दे दी गई है. अगले 24 घंटों के लिए प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है.

भोपाल.मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश में अगले 24 घंटों के लिए फिर से ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है. जहां पहले प्रदेश के 18 जिलों में अलर्ट जारी किया गया था, वहीं अब 27 जिलों में अधिक बारिश और कुछ जिलों में बहुत अधिक बारिश की चेतावनी दे दी गई है.

इन जिलों में जारी हुआ ऑरेंज अलर्ट

प्रदेश के रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, विदिशा, रायसेन, सीहोर भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, देवास और अशोकनगर जिलें में भारी बारिश होने की संभावना है. आपको बता दें कि मौसम विभाग का मानना है कि इस तूफान का असर उज्जैन और इंदौर संभाग में होगा. विभाग ने तेज हवा चलने की संभावना जताई है. इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने के आसार हैं, तेज हवाओं के चलते पेड़ उखड़ने की आशंका भी जताई गई है. ऐसे में सभी नागरिकों से अपने-अपने घरों में रहने की अपील की गई है.

उज्जैन कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले के सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों और पुलिसकर्मियों को भी चेतावनी जारी की है. साथ ही तैयार रहने को कहा है. जिससे आपात स्थिति में तुरंत आम जनता तक राहत पहुंचाई जा सके.

MP :कोरोना वॉरियर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी खोलेंगे सरकार के खिलाफ मोर्चा, आज मनाएंगे काला दिवस

कोरोन काल में वॉरियर की भूमिका निभाने वाले संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी सरकार से खासे नाराज हैं. प्रदेश भर के 19 हजार संविदा कर्मचारियों ने फैसला लिया है कि वो शुक्रवार को काला दिवस मनाएंगे.

इंदौर. कोरोन काल में वॉरियर की भूमिका निभाने वाले संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी सरकार से खासे नाराज हैं. प्रदेश भर के 19 हजार संविदा कर्मचारियों ने फैसला लिया है कि वो शुक्रवार को काला दिवस मनाएंगे. नियमितीकरण की मांग को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का मन बनाया है.

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ सिंह चौहान ने बताया कि काले कपड़े, काला मास्क, काला चश्मा लगाकर कल कर्मचारी काम करेंगे. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार से मांग है कि वो नियमितीकरण की मांग को जल्द पूरा करें.आपको बता दें कि कोरोना से लड़ाई में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अहम भूमिका निभा रहे हैं. जिनकी देशभर में सराहना की जा रही है. लेकिन ये कर्मचारी सरकार से लंबे वक्त से नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं.

रायबरेली: 'धर्मराज' की अधर्मी हरकत देख सब हुए दंग, पत्नी का किया ऐसा हाल

महिला की पिटाई का वीडियो वहां मौजूद ग्रामीणों ने बनाया था. पुलिस वीडियो को देखकर पिटाई की बात मान रही है, लेकिन मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है. महिला के शव को फिलहाल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. अब मौत का कारण पति की पिटाई है या और कुछ, ये पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा.

विवेक श्रीवास्तव/रायबरेली. पति-पत्नी का रिश्ता यूं तो सात जन्म का होता है और पत्नी की रक्षा का दायित्व पति के ऊपर होता है. लेकिन रायबरेली में एक ऐसी घटना घटी है, जिसने पति-पत्नी के रिश्ते को ही तार-तार कर दिया. यहां के एक गांव में पति ने अपनी पत्नी को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई. घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जिसने भी इसे देखा वो बेरहम पति की इस हरकत को देखकर दंग रह गया.

घंटों पत्नी को पीटता रहा पति

ये घटना गुरबख्शगंज थाना क्षेत्र के कुटी गोपालदास गांव की है. यहां धर्मराज अपनी पत्नी संगीता के साथ रहता था. इन दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि धर्मराज ने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया. एक अन्य महिला के बीच-बचाव करने के बाद भी धर्मराज नहीं माना और घंटों अपनी पत्नी को पीटता रहा. देखते ही देखते पत्नी की मौत हो गई. ग्रामीणों का मानना है कि संगीता की मौत धर्मराज की लगातार पिटाई की वजह से ही हुई है.

पुलिस कर रही है मामले की जांच

महिला की पिटाई का वीडियो वहां मौजूद ग्रामीणों ने बनाया था. पुलिस वीडियो को देखकर पिटाई की बात मान रही है, लेकिन मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है. महिला के शव को फिलहाल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. अब मौत का कारण पति की पिटाई है या और कुछ, ये पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा. जो भी इस वायरल वीडियो को देख रहा है, वो पति की बेरहम पिटाई पर हैरान है.

झारखंड: RS चुनाव के लिए आंकड़ों के खेल में उलझी BJP-कांग्रेस, सरयू बोले...

कांग्रेस दूसरे सीट पर कब्जा जमाने के लिए नंबर गणित के जुगाड़ में जुटी है. इसी क्रम में, रांची में 8 जून को कांग्रेस की अहम बैठक होनी है.

रांची.झारखंड में राज्य सभा की दो सीटों के लिए 19 जून को मतदान होना है. तीन उम्मीदवार मैदान में हैं. जेएमएम (JMM) सुप्रीमो शिबू सोरेन (Shibu Soren),कांग्रेस के शहजादा अनवर और बीजेपी ने दीपक प्रकाश को उम्मीदवार बनाया है. विधानसभा में नंबर की बात करें तो जेएमएम के 29 विधायक और कांग्रेस के 17 विधायक हैं. वहीं, आरजेडी के पास 1, बीजेपी के पास 26, आजसू के पास 2, माले के पास 1, एनसीपी के पास 1 और दो निर्दलीय विधायक हैं.

8 को कांग्रेस की अहम बैठक

इधर, कांग्रेस दूसरे सीट पर कब्जा जमाने के लिए नंबर गणित के जुगाड़ में जुटी है. इसी क्रम में, रांची में 8 जून को कांग्रेस की अहम बैठक होनी है. इसमें झारखंड कांग्रेस प्रभारी आरपीएन सिंह, पीएल पूनिया सरीखे केंद्रीय स्तर के नेता, हारी हुई बाजी को जीत में तब्दील करने की रणनीति बनाएंगे.

'कांग्रेस करना चाहती है सेंधमारी'

वहीं, विधायक सरयू राय ने राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि, कांग्रेस को अब घोषित कर देना चाहिए कि हमने उम्मीदवार दे दिया है. लेकिन गम्भीर नहीं हैं. ताकि सर्वसम्मति से नतीजे आए. उन्होंने कहा कि, वोटों का गणित है, उसमें एक सत्ता पक्ष का जीतेगा, दूसरा विपक्ष से. ऐसे में तीसरे का प्रयास करने से संदेश यही जाएगा कि, हम सेंधमारी करना चाहते हैं. किसी को प्रलोभन देकर साथ लाना चाहते हैं, जो इस राज्य की छवि के लिए अच्छा नहीं होगा. इधर, हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि, उम्मीदवार वापस लेने का समय तो बीत चुका है. कांग्रेस ने समीकरण को ध्यान में रख कर उम्मीदवार दिया है. 8 जून को कांग्रेस की बैठक है, उसमें आगे की रणनीति तय होगी. प्रदीप यादव ने कहा कि, सरयू राय को सुझाव यह सुझाव पहले लाना चाहिए थे. पहले उन्होंने अपना पत्ता नहीं खोला था कि, किसको वोट देना है.

'निर्दलीय विधायकों से उम्मीद'

कांग्रेस नेता ने कहा कि, निर्दलीय विधायकों से लोगों को उम्मीद होती है कि, इनका वोट मेरे पास आएगा. कांग्रेस का भी अपना मजबूत स्ट्रेंथ हैं, कई लोग अपनी पार्टी से नाराज चलते हैं तो वो भी दूसरे को वोट डालते हैं. इसी उम्मीद और आशा के साथ कांग्रेस ने उम्मीदवार दिया है. कांग्रेस के पास स्ट्रेंटज हैं, थोड़ी बहुत कमी हैं, मैनेजमेंट इन चीजों को देख रहा है.

कांग्रेस रणनीति के तहत चुनाव लड़ रही

वहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि, कांग्रेस अपने रणनीति के तहत चुनाव लड़ रही है और उस रणनीति पर कायम हैं. नतीजे 19 को सामने आ जाएगा. झारखंड विधानसभा में संख्या बल नहीं रहने के बावजूद भी उम्मीदवार की जीत हुई है.

BJP में सबकुछ ठीक नहीं

जेएमएम महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि, जो समीकरण हैं, वो बताते हैं कि भारतीय जनता पार्टी और गठबंधन के पक्ष में आंकड़े हैं. लेकिन जो वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति है, उसमें बीजेपी के अंदर जो राजनीतिक उठापटक झारखंड में चल रही है उससे स्पष्ट हो जाएगा कि, बीजेपी के अंदर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है.

'BJP ने हॉर्स ट्रेडिंग को बढ़ावा दिया है'

विनोद पांडेय ने कहा कि, बीजेपी के कई विधायक सीएम के काम को देखते हुए गठबंधन को मदद करने के लिए तैयार होगें. बीजेपी का राजनीतिक चरित्र है कि, उसने हॉर्स ट्रेडिंग (Horse Trading) को बढ़ावा दिया है और उसी चश्मे से इस बार के भी राज्यसभा चुनाव को देखने का काम कर रही है. हॉर्स ट्रेडिंग की बात से साफ होता है कि, बीजेपी अपने सदस्यों को रोकने में सक्षम नहीं है.

'कांग्रेस करना चाहती है हॉर्स ट्रेडिंग'

वहीं, राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप वर्मा का कहना है कि, राज्य में जो विधायको की संख्या है, उसके मुताबिक, कांग्रेस को प्रत्याशी ही नहीं देनी चाहिए था. विधायको के गणित से स्पष्ट है कि, दो ही सदस्य चुने जा सकते हैं. एक सत्ता पक्ष से दूसरा बीजेपी से. ऐसे में कांग्रेस ने जो प्रत्याशी दिया है, वो स्पष्ट है कि हॉर्स ट्रेडिंग के लिए ही गठबंधन ने प्रत्याशी दिया है.

'BJP MLA एकजुट हैं'

उन्होंने कहा कि, गठबंधन ओछी और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधि करने वाला है, पर बीजेपी के सभी विधायक एकजुट हैं और बीजेपी की तरफ से क्रॉस वोटिंग की कोई संभावना नहीं है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी को अपना इस्तीफा सौंपते कपराजा से कांग्रेस विधायक जीतु चौधरी और करजण से विधायक अक्षय पटेल

ब्लैकमेल करनेवाले शख्स की हत्या व्यापारी और महिला का वीडियो बनाकर

सूरत हीरा व्यापारी और महिला का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले एक हीरा दलाल की हत्या कर दी गई! हत्या के बाद एक आरोपी ने पुलिस के समक्ष सरैंडर कर दिया!

जिसके बाद पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है! जानकारी के मुताबिक सूरत के कतारगाम क्षेत्र की अंबिका पार्क सोसायटी निवासी

कांतिभाई गोरधनभाई राखोली हीरों की दलाली करते थे! बीते दिन कांतिभाई के लापता होने पर उनके परिजनों ने कतारगाम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी!

देर रात कतारगाम पुलिस को आशीष नामक शख्स का फोन आया कि कांतिभाई की हत्या हीरा व्यापारी संदीप वशरामभाई पटेल की है और शव बारडोलिया प्लॉट स्थित रघुनंदन एपार्टमेंट की तीसरी मंझिल पर छिपा दिया है! पुलिस ने हीरा व्यापारी संदीप पटेल को गिरफ्तार करने के साथ ही कांतिभाई का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया!

जांच में पता चला कि मृतक कांतिभाई बीते दिन संदीप पटेल से मिलने उसके कारखाने पर गया था! जहां संदीप पटेल ने कांतिभाई को तीसरी मंझिल पर ले जाकर उसकी हत्या कर दी! हत्या के बाद शव एक कमरे में रख दिया! जिसके बाद संदीप ने अपने आशीष नामक दोस्त को बुलाया और शव को ठिकाने लगाने को कहा! पूछताछ में संदीप ने बताया कि उसके एक महिला के साथ नाजायज संबंध थे !

और कांतिभाई ने दोनों के निजी पल का वीडियो बनाया था और उसके जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहा था!

ब्लैकमेल से बचने के लिए कांतिभाई की हत्या कर दी! दूसरी ओर मृतक के परिजनों का आरोप है कि चार महीने पहले कांतिभाई ने संदीप पटेल को चार लाख रुपए के हीरे दिए थे! लेकिन संदीप न तो चार लाख रुपए दे रहा था

और न ही हीरे वापस लौटा रहा था!

हीरों के रुपए देने से बचने के लिए संदीप पटेल ने कांतिभाई की हत्या कर दी!

पुलिस ने हत्या के आरोप में संदीप और उसकी मदद करने के आरोप में आशीष को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है!

राज्यसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस को झटका, दो विधायकों का इस्तीफा

अहमदाबाद गुजरात में राज्यसभ चुनाव से पहले कांग्रेस बड़ा झटका लगा है! कांग्रेस के दो विधायकों ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है! विधानसभा के अध्यक्ष ने दो विधायकों के इस्तीफे की पुष्टि भी की है! बता दें कि मार्च महीने में कांग्रेस के पांच विधायक पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं!

7 विधायकों के इस्तीफे के बाद कांग्रेस का संख्याबल 66 रह गया है!

गुजरात में राज्यसभा की चार सीटों पर आगामी 19 को चुनाव होना है! उससे पहले आज कांग्रेस के करजण से विधायक अक्षय पटेल और कपराडा से विधायक जीतु चौधरी ने विधानसभ की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है! गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी ने दोनों के विधायकों की पुष्टि कर दी हैद्य दो विधायकों के इस्तीफे के बाद अब 182 सदस्यीय विधानसभा का संख्याबल 173 रह गया है! जिसमें भाजपा के 103 और कांग्रेस के 66, बीटीपी के 2, एनसीपी 1 और 1 निर्दलीय विधायक है! जबकि अदालती मामलों के कारण 2 सीटें रिक्त हैंद्य पहले 26 मार्च को चुनाव होना था, लेकिन कोरोना के चलते चुनाव टल गया था! दरअसल चुनाव की घोषणा के बाद मार्च महीने में कांग्रेस के 5 विधायकों ने इस्तीफे दे दिया था! जिसमें गढ़डा से कांग्रेस विधायक प्रवीण मारू, अबडासा के प्रद्युम्नसिंह जाडेजा, लींबडी के सोमा पटेल,

धारी से जेवी काकडिया और डांग से मंगल गावित शामिल थे! पांच विधायकों के इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने शेष 68 में से 67 विधायकों को एकजुट रखने के लिए जयपुर भेज दिया था! उस वक्त भी कपराडा से विधायक जीतु चौधरी से संपर्क करने में कांग्रेस असफल रही थी! वही जीतु चौधरी ने आज इस्तीफा दे दिया! जीतु चौधरी के अलावा करजण के विधायक अक्षय पटेल ने विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है! विधानसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस के दोनों विधायकों के इस्तीफे मंजूर कर लिए हैं!

संत राजिंदर सिंहजी महाराज ने लाइव टेलीकास्ट के ज़रिए अध्यात्मिक संदेश समस्त मानव जाती को दीया

सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख और ह्यूमन यूनिटी कान्फरेन्स के अध्यक्ष संत राजिंदर सिंहजी महाराज ने , दयाल पुरुष संत दर्शन सिंहजी महाराज के 31 वी पुण्यतिथि के उपलक्ष में यू–ट्यूब के लाइव टेलीकास्ट के ज़रिए अपना पावन अध्यात्मिक संदेश समस्त मानव जाती को दीया. उनके सत्संग के पूर्व पूजनीय माता रीटाजी ने गुरु नानक

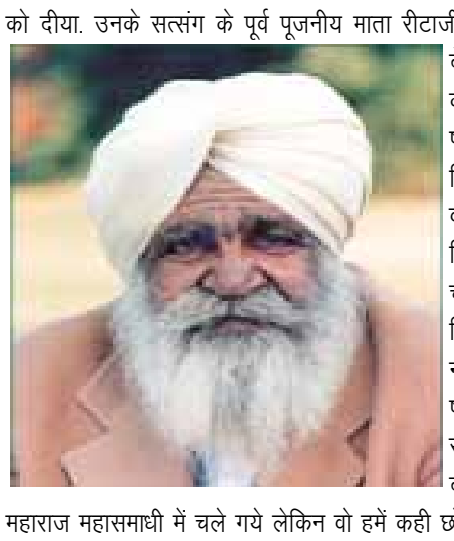

देव जी महाराज की वाणी से ष्दर्शन की प्यास जिस नर होयष वाणी का गायन किया. उसके पस्चात संत राजिंदर सिंहजी महाराज ने फरमाया के ष्आज से 31 साल पहले संत दर्शन सिंहजी महाराज महासमाधी में चले गये लेकिन वो हमें कही छोड़कर नही गये, आज भी वो हमारे अंग संग है और वे हमारी ऐसे ही रख़्शा कर रहे है जैसे वे शारीरिक रूप में करते थे. जो शिक्षा हजूर बाबा सावन सिंहजी महाराज और परम संत कृपाल सिंहजी महाराज ने दी उसे उन्होने लाखो लोगो तक पहुचाया.

राज्य की सभी आरटीओ में काम शुरू, कंटेंमेंट एरिया के लोगों के नहीं मिलेगा एपोइंटमेंट

अहमदाबाद! दो महीने से भी अधिक समय के बाद आज राज्य की सभी आरटीओ में कामकाज शुरू हो गया! आरटीओ में सोशल डिस्टेंस और कोरोना संक्रमण न फैले इसका विशेष ध्यान में रखना होगा! आरटीओ में गोले, हेन्ड सैनिटाइजर और थर्मल स्क्रीनिंग का उपयोग अनिवार्य है और एपोइंटमेंट के आधार पर कचहरी में प्रवेश दिया जाएगा! हांलाकि कंटेंटमेंट जोन से आनेवाले किसी व्यक्ति को एपो. इंटमेंट नहीं मिलेगा! अहमदाबाद आरटीओ में 100 फीसदी स्टाफ के साथ आज से कामकाज शुरू हो गया! एपोइंटमेंट के आधार पर लाइसंस समेत अन्य कार्यवाही शुरू होने से लोगों को काफी राहत मिली है! हांलाकि आरटीओ शुरू करने से पहले पूरी कचहरी को सैनिटाइज किया गया! जिसके बाद कचहरी में कामकाज शुरू किया गया! राजकोट आरटीओ में भी आज से कार्यवाही शुरू की गई! जिसमें 8 सेवाएं फेसलैस की गई हैं! जिसमें लाइंसस रिन्यू कराना, डुप्लीकेट लाइसंस, रिप्लेसमेंट लाइसंस, आरसी इत्यादि शामिल है! सोशल डिस्टेंस मेंन्टेन के लिए कचहरी के बाहर गोले बनाए गए हैं! कचहरी में उन्हीं लोगों को प्रवेश मिलेगा जिन्होंने पहले एपोइमेंट लिया होगा! उत्तरी गुजरात के साबरकांठा जिले में आरटीओ कचहरी आज से शुरू हो गई! कचहरी के मुख्य द्वार पर प्रत्येक व्यक्ति की थर्मल स्क्रीनिंग और सैनिटाइज के बाद प्रवेश दिया जा रहा है!

सूरत –सचिन डाईमंड (Sur sez) आकाश पेकिंग नामक कंपनी में भीषण आग।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)